संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -201 बुधवार ,24 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

# नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करेगी टीएमसी

### ममता बनर्जी नहीं होंगी शामिल

**कोलकाता,23 मई 2023(ए)।** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 28 मई को निर्धारित नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है। पीएम नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए टीएमसी नेता और राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए संसद के उद्घाटन का मतलब सिर्फ मैं, मेरा, मुझे है। डेरेक ओ ब्रायन ने लिखा कि अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि संसद सिर्फ एक नई इमारत नहीं है, यह पुरानी परंपराओं, मूल्यों, मिसालों और नियमों के साथ एक प्रतिष्ठान है। यह

भारतीय लोकतंत्र की नींव है। पीएम मोदी को यह समझ में नहीं आता है।

### टीएमसी नेता सौगत रॉय ने दी प्रतिक्रिया

वहीं इस मामले में बात करते हुए टीएमसी नेता सौगत रॉय ने कहा कि हम पीएम द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन करने का विरोध कर रहे हैं। राष्ट्रपति को इसका उद्घाटन करना चाहिए। हम समारोह का बहिष्कार करने के बारे में सोच रहे हैं, पार्टी को इस मामले पर अंतिम फैसला लेना है।

### पीएम मोदी 28 मई को करेंगे उद्घाटन

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई, 2023 को दोपहर 12 बजे देश के सामने नई संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। इसे लेकर लोक सभा महासचिव ने एक औपचारिक पत्र साझा किया है, जिसमें इस बात की जानकारी दी गई है कि पीएम मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करने वाले हैं।

### कांग्रेस उस मुद्दे पर विवाद खड़ा करती है जिसका कोई मतलब नहीं:

भाजपा कांग्रेस पार्टी के खिलाफ हमले का नेतृत्व करते हुए, केंद्रीय शहरी विकास मंत्री (एमओयूडी), हरदीप सिंह पुरी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि कांग्रेस की आदत है कि उस बात पर विवाद खड़ा करना जिसका कोई मतलब नहीं । राष्ट्रपति राज्य के प्रमुख हैं, पीएम सरकार के प्रमुख हैं और नेतृत्व करते हैं। सरकार की ओर से संसद, जिसकी नीतियां कानून के रूप में लागू होती हैं।

# कफ सिरप से मौतों की शिकायत पर सरकार का एक्शन

### लैब टेस्टिंग के बाद ही होगा एक्सपोर्ट

**नई दिल्ली,23 मई 2023 (ए)।** भारतीय कंपनियों द्वारा बनाई गई कफ सिरप पीने से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में कई बच्चों की मौत की शिकायतें आई थीं। ऐसे मामले फिर ना दोहराए जा सकें, इसके लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब भारत में बनी कफ सिरप का एक्सपोर्ट करने से पहले उनका सरकारी लैब्स में परीक्षण किया जाएगा। इन्हें सही पाए जाने के बाद सर्टिफिकेट मिलेगा और उसके आधार पर ही एक्सपोर्ट को मंजूरी दी जाएगी। कफ सिरपों की टेस्टिंग का यह नियम 1 जून से ही लागू होने वाला है। बीते साल गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में दर्जनों बच्चों की भारत में बनी कफ सिरप से मौतों की शिकायत आई थी।

इसे लेकर सरकार नीति बनाने पर विचार कर ही रही थी और उसी के तहत यह फैसला लिया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी भारत में बनी कफ सिरपों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए थे।

विदेश व्यापार महानिदेशक की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है, 'कफ सिरपों का एक्सपोर्ट तभी मंजूर किया जाए, जब उनकी टेस्टिंग सरकारी लैब में करा ली जाएगी। टेस्टिंग के बाद एक सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। यह नियम 1 जून, 2023 से ही लागू किया जाएगा।'

कफ सिरपों की टेस्टिंग केंद्र सरकार की लैब्स में ही होगी। इनमें चंडीगढ़, कोलकाता, चेन्नै, हैदराबाद, मुंबई, गुवाहाटी में स्थित लैब शामिल हैं। बीते साल सामने आईं घटनाओं के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत की एक कंपनी द्वारा बनाई कफ सिरपों को लेकर कहा था कि इनके इस्तेमाल में एथलिन ग्लाइकोल और डाइथिलिन ग्लाइकोल का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें कार के ब्रेक फ्लुइड में लगाया जाता है। वैश्विक संस्था का कहना था कि इसके चलते भी कफ सिरप जानलेवा हो सकती है।

यही नहीं फरवरी में ही तमिलनाडु की कंपनी ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने अपनी सारी आई ड्रॉप्स को वापस ले लिया था, जिसे एक्सपोर्ट के लिए तैयार किया था। बता दें कि भारत दुनिया में बड़े पैमाने पर दवाइयों का निर्यात करता है। खासतौर पर खांसी की सिरप की ही बात करें तो बीते वित्त वर्ष में 17.6 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। इससे पहले 2021-22 में यह एक्सपोर्ट 17 अरब डॉलर का ही था।

# मनीष सिसोदिया की गर्दन पकड़ कर ले गई पुलिस

» आप पार्टी बोली- ऐसा दुर्व्यवहार करने की क्या जरूरत

**नई दिल्ली,23 मई 2023 (ए)।** दिल्ली में कथित शराब घोटाला मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को फिर से एक बड़ा झटका मिला है। दिल्ली की कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 1 जून तक के लिए बढ़ा दी है।

इस बीच मनीष सिसोदिया को कोर्ट में पेश करने के दौरान एक विवाद शुरू हो गया है। दरअसल जब पुलिस सिसोदिया को ले जा रही थी, उसी दौरान कुछ मीडियाकर्मियों ने मनीष सिसोदिया से सवाल पूछने की कोशिश की और मनीष सिसोदिया ने इसका जवाब देना चाहा।

मगर इस दौरान एक पुलिसवाला मनीष सिसोदिया को पकड़कर जल्दी से ले जा रहा है। इसी वीडियो को आम आदमी पार्टी के नेताओं ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और दिल्ली पुलिस और मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

आतिशी सिंह ने वीडियो शेयर कर ट्वीट करते हुए लिखा,

राउज एवेन्यू कोर्ट में इस पुलिसकर्मी द्वारा मनीष जी के साथ चौंकाने वाला दुर्व्यवहार। दिल्ली पुलिस को उन्हें तुरंत सस्पेंड करना चाहिए। इसी ट्वीट को कोट करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लिखा, क्या पुलिस को इस तरह मनीष जी के साथ दुर्व्यवहार करने का अधिकार है? क्या पुलिस को ऐसा करने के लिए ऊपर से कहा गया है?

स मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के द्वारा की जा रही है। अदालत ने जेल अधिकारियों को यह भी आदेश दिया है कि वह अध्ययन के उद्देश्य से उन्हें एक कुर्सी और मेज प्रदान करने के उनके अनुरोध पर विचार करे। विस्तृत आदेश की प्रति का इंतजार है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इसी अदालत ने 12 मई को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 2 जून तक के लिए बढ़ा दी थी, इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है। इस साल 26 फरवरी को सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था, इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 9 मार्च को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने आरोप लगाया है कि पूरे आबकारी नीति मामले के पीछे सिसोदिया मास्टरमाइंड थे और उन्होंने रिश्वत लेने के लिए जानबूझकर नीति को सह-अभियुक्तों के साथ लीक किया था। पिछले महीने, विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने आप नेता को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि प्रथम दृष्टया सबूत अपराध में उनकी संलिप्तता की बात करते हैं।

# दो हजारी नोट बदलने की कवायद शुरू, मगर नोटबन्दी जैसी हड़बोंग नहीं

-डॉ.राजकुमार मिश्र-

**अम्बिकापुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।** दो हजार के नोटों को बैको में आज से बदलने का काम शुरू तो हो गया है मगर जहां देश के कतिपय बैंकों में बिना किसी पूछताछ के आसानी से ये नोट बदले जा रहे हैं वहीं दिल्ली समेत कतिपय स्थानों से नोट बढलने के लिए कुछ बैकों द्वारा शर्तें लागू किए जाने की खबरें भी आई हैं।

इस बारे में पूछे जानेपर मप्र में कार्यरत एक बैंक अधिकारी ने बताया कि किसी बैंक के नियमित कस्टमर को दो हजारी नोट बदलवाने के लिए कोई शर्त पूरी नही करनी पड़ती क्योंकि बैंक अपने रेगुलर कस्टमर को जानता पहचानता है मगर नोट बदलवाने आए अनजान नागरिक से पहचानपत्र मांगने और फार्म भरवाने जैसी शर्त सिर्फ सावधानी के लिहाज से रखी जाती है जिसे गलत नही मानना चाहिए क्यो कि जरा सी सावधानी से बड़े बड़े संकट टल जाते हैं।

पिछली बार नोट बंदी अचानक ही रातों रात जिस तरह थोप दी गई थी उसकी कड़वी यादें अभी तक धुंधलाई नहीं हैं।अब दो हजारी नोटों को बदलवा लेने के लिए 30 सितंबर तक का वक्त देकर मोदी सरकार ने जिसतरह नरमी से काम लेने का प्रदर्शन किया है उसपर आम नागरिकों को बहुत कम भरोसा हो पा रहा है।कतिपय राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चैनलों के सर्वेक्षणों में शामिल होनेवाले आमलोगों को इस नए फरमान से इसलिए भी कोई लेना देना नही है कि दो हजारी नोटों की छपाई सरकार ने करीब दो सालों से बन्द करा रखी है फलस्वरूप सामान्य जनता के लिए तो दो हजारी नोट लगभग दुर्लभ ही हो गए हैं।

# बरगाड़ी बेअदबी मामले का मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

### तीन घटनाओं में है नामजद

**चंडीगढ़ ,23 मई 2023 (ए)।** पंजाब के फरीदकोट के साल 2015 के बहुचर्चित बरगाड़ी बेअदबी मामले के मुख्य साजिशकर्ता और डेरा सिरसा की राष्ट्रीय कमेटी सदस्य संदीप बरेटा को बेंगलुरु एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। बरेटा बरगाड़ी बेअदबी की तीनों घटनाओं में नामजद है। अदालत ने इन केसों में संदीप बरेटा समेत दो अन्य कमेटी सदस्य हर्ष धुरी व प्रदीप

क्लेर को भी भगोड़ा घोषित किया हुआ था। फरीदकोट पुलिस टीम उसे हिरासत में लेने के लिए बंगलुरू रवाना हो गई है।आपकी जानकारी के लिए बता दें कि फरीदकोट के बरगाड़ी में 12 अक्तूबर 2015 को श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटना हुई। इसके बाद सिख संगठनों ने कोटकपूरा और बहबल कलां में विरोध प्रदर्शन किए। 14 अक्तूबर को कोटकपूरा और बहबल कलां में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल का प्रयोग किया। बहबल कलां में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें 2 सिख युवकों की मौत हो गई थी। कोटकपूरा में भी फायरिंग हुई, जिसमें 100 प्रदर्शनकारी घायल हुए थे।

# आईएनएस 'मोरमुगाओ' से एडवांस 'सी स्कीमिंग' मिसाइल की टेस्टिंग

### लक्ष्य को भेदने में सफल

**नई दिल्ली,23 मई 2023 (ए)।** भारतीय नौसेना के डिस्ट्रॉयर आईएनएस 'मोरमुगाओ' से एक एडवांस मिसाइल की बेहद महत्वपूर्ण व सफल टेस्टिंग की गई है। 'सी स्कीमिंग' के नाम से विख्यात इस मिसाइल की टेस्टिंग के दौरान मिसाइल ने समुद्र में तैरते हुए टारगेट को नीचे से हिट किया। भारतीय नौसेना के मुताबिक टेस्टिंग के दौरान मिसाइल का निशान बिल्कुल सटीक था और वह अपने लक्ष्य को भेदने में सफल रही। नौसेना का कहना है कि यह मिसाइल 300 किलोमीटर की दूरी तक अपने लक्ष्य को भेदने में सक्षम है।

'सी स्किमिंग' का तात्पर्य ऐसी मिसाइल से है जो पानी की सरफेस के बहुत करीब उड़ती है। सामान्य तौर पर यह 10 फीट से कम की ऊंचाई पर रहती है। आईएनएस मोरमुगाओ भारत में निर्मित एक शक्तिशाली युद्धपोत है। इसका वजन 7,400 टन है, लंबाई 163 मीटर और चौड़ाई 17 मीटर है।

आईएनएस मोरमुगाओ ब्रह्मोस और बराक-8 जैसी मिसाइलों से पहले से ही लैस है। भारत में बने इस आधुनिक युद्धपोत में इजरायल का रडार एमएफ-स्टार लगा है, जो हवा में लंबी दूरी के लक्ष्य का पता लगा सकता है। हालांकि भारतीय नौसेना का यह युद्धपोत और उसमें लगे हथियार दोनों ही स्वदेशी हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीते वर्ष दिसंबर में 'मोरमुगाओ' को भारतीय नौसेना को समर्पित किया था। मोरमुगाओ से टेस्ट की गई यह एक एडवांस्ड मिसाइल है जिसने समंदर में तैरते टारगेट को नीचे उड़ते हुए हिट किया। इसे सी स्कीमिंग कहा जाता है। टेस्टिंग के बाद भारतीय नौसेना ने इसे आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और बढ़ता कदम बताया है।

# ज्ञानवापी के सभी सातों मामलों की एक साथ होगी सुनवाई

**वाराणसी ,23 मई 2023 (ए)।** वाराणसी जिला अदालत ने मंगलवार को आदेश दिया कि ज्ञानवापी से जुड़े सभी सात मामलों की एक साथ सुनवाई की जाएगी। वाराणसी के जिला जज ने आदेश दिया, ज्ञानवापी मामले से जुड़े सभी सात मामलों की अब एक साथ सुनवाई होगी। सोमवार को जिला जज ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसे लेकर हिंदू पक्ष ने याचिका दायर की थी।

अगस्त 2021 में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी स्थल पर नियमित पूजा करने के अधिकार की मांग को लेकर पांच महिलाओं ने स्थानीय अदालत में याचिका दायर की थी। अप्रैल 2022 में, एक वरिष्ठ डिवीजन कोर्ट ने मस्जिद परिसर में एक सर्वेक्षण का आदेश दिया।

# आप को मिला ममता का साथ, पर हाथ के बगैर मुश्किल होगी

**कोलकाता,23 मई 2023 (घटती-घटना)।** आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने आज यहां तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन मांगने के लिए उनसे मुलाकात की तो बाकायदा प्रेसकांफ्रेन्स करके ममता बनर्जी में अपनी पार्टी की ओर से राज्य सभा के भीतर और बाहर हर सम्भव सहयोग और समर्थन देने का वायदा किया।

सुप्रीमकोर्ट की संविधान पीठ ने लंबी सुनवाई के बाद दिल्ली सरकार के अधिकारों को उप राज्यपाल के जरिए लगातार कुचलते जाने की मोदी सरकार की कोशिशों को सर्वसम्मति से अवैध घोषित करके केजरीवाल की सरकार को जो जो राहत प्रदान की थी उसकी खुशी पर केंद्र ने अध्यादेश जारी करके तुषारापात कर दिया और भाजपा के प्रवक्तागण तबसे लगातार दावा कर रहे है कि यह अध्यदेश बाकायदा कानून की शक्ल भी अवश्य अख्तियार कर लेगा जबकि केजरीवाल की कोशिश है कि सभी विपक्षी दल अध्यादेश को राज्यसभा में अमान्य कर दें तो लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल जीत लेंगे। ममता बनर्जी से पहले विपक्ष के अन्य कई दलों के प्रमुखों ने भी केजरीवाल को समर्थन देने का वादा कर रखा है मगर कांग्रेस ने अभी पत्ते नही खोले है और राज्यसभा में कांग्रेस के समर्थन के बिना केजरीवाल सरकार की मनोकामना पूरी हो पाना मुश्किल ही लगता है।

# मुझे चुनाव ही नहीं लड़ना है तो प्रधानमंत्री बनने का सवाल ही नहीं उठता

**पुणे ,23 मई 2023 (ए)।** केंद्र में लगातार 8 साल से अधिक समय तक सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए तमाम विपक्षी पार्टी को जुट करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने विपक्षी एकता की कवायद तेज कर दी है। उन्होंने अब तक कई प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

इसके साथ ही इस अभियान में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार भी तमाम विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। बीच कौन बनेगा देश का प्रधानमंत्री इस बात को लेकर भी विपक्षी पार्टियों में चर्चा हो रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि वह प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल नहीं हैं और विपक्ष ऐसा नेतृत्व चाहता है जो देश की भलाई के लिए काम करे।

पुणे विश्वविद्यालय के कुलपति राम ताकावाले के निधन के सिलसिले में आयोजित शोक सभा के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मैं विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास कर रहा हूं। मैं प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में नहीं हूं क्योंकि मैं अगला (लोकसभा) चुनाव नहीं लड़ूंगा।

महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में शामिल कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के साथ सीटों के बंटवारे के बारे में उन्होंने कहा, ÷हाल ही में मेरे आवास पर एक बैठक हुई थी। महा विकास आघाड़ी के नेता इस पर फैसला करेंगे। उद्धव ठाकरे, सोनिया गांधी या कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और मैं बैठक कर इसके बारे में चर्चा करेंगे।

महाराष्ट्र में कई नागरिक निकायों का कार्यकाल 2022 की शुरुआत में खत्म हो गया था, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण चुनाव नहीं हुए। इसके अलावा, मई 2024 के आसपास लोकसभा चुनाव होने की संभावना है, जिसके कुछ समय बाद महाराष्ट्र में विधानभा चुनाव होंगे।

## संपादकीय

# जीएसटी वसूली पर बेसुध जनता का जश्न!

भारत संभवतः दुनिया का पहला देश होगा जहां सरकार टैक्स वसूली के भारी भरकम आंकड़े उपलब्धि के तौर पर जारी करती है और भक्त जनता उसका जश्न मनाती है। हर महीने की पहली तारीख को सरकार यह आंकड़ा जारी करती है कि पिछले महीने जीएसटी की रिकॉर्ड वसूली हुई है। हर महीने पिछले महीने का रिकॉर्ड टूटता है। इसी तरह प्रत्यक्ष कर यानी आयकर की वसूली का तिमाही आंकड़ा जारी होता है। पिछली तिमाही या पिछले साल की समान तिमाही में वसूली का रिकॉर्ड टूटने की खबर बताई जाती है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर दोनों में वसूली के आंकड़े बढ़ने का जश्न लोग मनाते हैं। सत्तारूढ़ दल के समर्थक इसे उपलब्धि के तौर पर सोशल मीडिया में साझा करते हैं। मीडिया में हल्ला होता है। पेट्रोलियम उत्पादों पर वसूला जाने वाला टैक्स इससे अलग होता है। उसके भी आंकड़े हर महीने, हर तिमाही और छमाही में पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हैं। क्या यह सब अजूबा नहीं है? जिस देश में पाई-पाई जोड़ने का चलन रहा हो। जिस देश में करोड़ों लोग पाई-पाई के लिए तरस रहे हैं, उस देश में लाखों करोड़ रुपए की टैक्स वसूली का जश्न मनता है। कोई सोचता ही नहीं है कि यह पैसा उसकी जेब से निकाला जा रहा है। सरकार आम आदमी की जेब पर डाका डाल कर पैसे वसूल रही है। इस वसूली यह कहते हुए सही करार देते है कि इससे सरकार बुनियादी ढांचे का विकास करती है।

सोचे टैक्स से वसूले गए पैसे से इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है और फिर उसी के इस्तेमाल के लिए जनता पर कमर तोड़ टैक्स भी है। महंगा यात्रा भाड़ा है। जनता से पैसा लेकर ढांचा बनाना और फिर उस ढाचे के उपयोग के लिए भी जनता से मनमानी वसूली। क्यों जनता से वापिस पैसा वसूला जाता है?

बहरहाल, जीएसटी पर लौटें। सवाल है कि जीएसटी वसूली में हर महीने इतनी बढ़ोतरी कैसे हो रही है? एक मई को जारी आंकड़े के मुताबिक अप्रैल में एक लाख 87 हजार करोड़ रुपए की जीएसटी की वसूली हुई, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इससे पहले अप्रैल 2022 में एक लाख 68 हजार करोड़ रुपए की जीएसटी वसूली गई थी। ये दोनों रिकॉर्ड अप्रैल के महीने में ही बने हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि मार्च में वसूली कम हुई थी। मार्च 2023 में जीएसटी की वसूली एक लाख 60 हजार करोड़ रुपए हुई थी। उससे पहले फरवरी में एक लाख 50 हजार करोड़ के करीब और जनवरी में एक लाख 57 हजार करोड़ रुपए की वसूली हुई थी। इस तरह पिछले कुछ दिन से डेढ़ लाख करोड़ रुपए हर महीने की वसूली की एक ट्रेंड बन गया है, जो आगे बढ़ते जाना है।

मीडिया में हर महीने इसकी खबर ऐसे बनती है कि यह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए खुशखबरी है। फिर मीडिया और सोशल मीडिया में धारणा बनाई जाती है कि जनता को इस पर खुश होना चाहिए कि इतनी जीएसटी वसूली हो रही है। वसूली के भारी भरकम आंकड़ों के आधार पर जीएसटी लागू करने के फैसले को न्यायसंगत ठहराया जाता है। खाने-पीने के छोटे-छोटे, रेस्टोरेंट बिल व नए बेसिक सामान पर जेएसटी लगती-बढती जा रही है और जनता है कि उससे बढते क्लेक्शन पर तालियां बजा रही है।

लोगनहीं सोचते हैं कि यह उनकी कमाई या बचत का हिस्सा हो सकता है, जो सरकार जेब से निकलवा ले रही है। इस नाम पर कंपनियां अलग लोगों को लूट रही हैं। कई रिपोर्ट से प्रमाणित हुआ है कि जीएसटी की वसूली बढ़ने का सबसे बड़े कारणों में से एक कारण ज्यादा से ज्यादा वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी लगाना है। दूसरा कारण महंगाई बढ़ना है। सरकार चुन चुन कर वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी लगाती जा रही है, इससे टैक्स का दायरा बढ़ रहा है।इसके साथ ही वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है, जिसकी वजह से जीएसटी की और वसूली बढ़ी है। सरकार कहां कहां से जीएसटी वसूलने की सोच लेती है, इसका पता इस बात से लगता है कि रेलवे, होटल के कमरे आदि की बुकिंग पर जीएसटी लगता है लेकिन अब बुकिंग कैंसिल कराने पर भी जीएसटी वसूला जाने लगा है। कैंसिलेशन चार्ज पर पांच फीसदी जीएसटी लगा दिया गया है। इस तरह वस्तुओं और सेवाओं की सूची बनाई जाए तो कई पन्ने भर जाएंगे।

जहां तक महंगाई का सवाल है तो जनता को दो तरह की मार झेलनी पड़ रही है। एक वस्तुओं की कीमत बढ़ रही है और दूसरे डिब्बाबंद वस्तुओं की मात्रा या वजन कम किया जा रहा है। इनकम कम होने और कीमत बढ़ने से स्टैगफ्लेशन की स्थिति है तो वस्तुओं की मात्रा या वजन कम होने से श्रिंकफ्लेशन की स्थिति बन गई है। श्रिंक का मतलब है सिकुड़ना और इंफ्लेशन का मतलब है महंगाई। इन दोनों की मार जनता को झेलनी पड़ रही है। कंपनियां चुपचाप अपने उत्पादों का वजन कम कर दे रही हैं। पहले जो सामान सौ ग्राम के पैकेट में मिलता था उसमें कई सामानों का पैकेट अब 90 ग्राम का हो गया है। लोग बिना वजन देखे ये पैकेट खरीद लेते हैं। उनको अंदाजा ही नहीं होता है कि उस पैकेट पर वे 10 फीसदी ज्यादा कीमत चुका रहे हैं। इस तरह जीएसटी से युक्त वस्तुओं और सेवाओं का दायरा बढ़ने और उनकी कीमतों में बढ़ोतरी से जीएसटी का आंकड़ा बढ़ा है। यह सीधे सीधे जनता की जेब से निकलने वाला टैक्स है।गरीब-अमीर हर आय वर्ग की जनता टैक्स चुका रही है। जबकि मीडिया में ऐसे प्रचार हो है कि ज्यादा वसूली जनता के लिए ही फायदेमंद है।

**हरिशंकर व्यास**

# मौत के ताबूत बने मिग 21 लड़ाकू विमान

भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान मिग-21 के पूरे बेड़े की उड़ान पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी है। लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए एयरफोर्स ने फैसला लिया है। राजस्थान में सूरतगढ़ के पास 8 मई को एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एक मिग-21 एयरक्राफ्ट क्रैश होकर आबादी क्षेत्र के मकानों पर गिर गया था। उस हादसे में 3 महिलाओं की जान चली गई थी। वायु सेना ने मिग -21 लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े को उड़ान भरने से तब तक के लिए रोक दिया है जब तक कि राजस्थान में हुए हादसे की जांच पूरी नहीं हो जाती है।

मौत के उड़ते ताबूत कहलाने वाले मिग 21 लड़ाकू विमान के आये दिन दुर्घटनाग्रस्त होते रहने के कारण उन्हे फ्लाइंग कॉफिन और विडो मेकर कहा जाने लगा है। हैं। इस कारण इनको स्थायी रूप से सेना से बाहर करने की मांग होती रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडियन एयरफोर्स के 400 से ज्यादा मिग-21 विमान पिछले 60 सालों में दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। जिसमें 200 से अधिक पायलटों और 63 नागरिकों की जान जा चुकी है। अभी वायु सेना के पास मिग-21 बाइसन की तीन स्क्वाड्रन हैं। जिन्हे 2025 की शुरुआत में चरणबद्ध तरीके से वायु सेना से हटाया जाएगा।

मिग-21 को 1960 के दशक में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। एक जमाने में ये दुनिया के सबसे ताकतवर फाइटर प्लेनो में शामिल था। इसकी तेज रफ्तार और मारक क्षमता के आगे अमेरिका जैसे देश भी डरते थे। ये इकलौता ऐसा फाइटर प्लेन है जिसे दुनियाभर के 60 से ज्यादा देशों में इस्तेमाल किया गया है। अब तक इस लड़ाकू विमान की 11 हजार 496 यूनिट्स का निर्माण किया जा चुका है। मिग-21 विमानन इतिहास का पहला सुपरसोनिक जेट विमान है। सत्तर के दशक में यह दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाला फाइटर प्लेन था।

मिग-21 वही फाइटर प्लेन है जिससे भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराया था। हालांकि उनका मिग 21 विमान भी क्रेश कर गया था। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ हुए 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में भी मिग-21 ने अहम भूमिका निभाई थी। मिग-21 बाइसन फाइटर जैट का इस्तेमाल अब केवल इंटरसेप्टर के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। इनका उपयोग लड़ाकू जेट के रूप में सीमित भूमिका के साथ ज्यादातर प्रशिक्षण अभ्यास के लिए किया जाता हैं। ये विमान एयरक्राफ्ट शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज एयरक्राफ्ट मिसाइलों से हमला करने में सक्षम है। इस लड़ाकू विमान की स्पीड 2229 किलोमीटर प्रति घंटा की है।

मिग 21 लडाकू विमान को बनाने वाली सोवियत वायु सेना ने इसे 1985 में ही अपनी वायु सेना से हटा दिया था। 1985 के बाद बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने भी इसे सेवा से हटा दिया था। भारत में भी 1990 के दशक के मध्य में इनकी सेवानिवृत्ति की अवधि पूरी हो गई थी। इसके बावजूद इनका उन्नयन किया जाता रहा है। अक्टूबर 2014 में

तत्कालीन वायु सेना प्रमुख ने कहा था कि पुराने विमानों को सेवा से हटाने में देरी से भारत की सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि वायु सेना बेड़े के कुछ विमान बहुत पुराने हो गये हैं।

नए लड़ाकू विमानों को शामिल करने में देरी के कारण भारतीय वायु सेना को मिग 21 विमानो को लंबे समय तक सेवा में रखना पड़ा। देरी का मुख्य कारण वायुसेना को भारत के आसमान की रक्षा के लिए एक निश्चित संख्या में स्क्वाड्रन ताकत बनाए रखने की कमी का सामना करना पड़ रहा है। स्वदेशी तेजस कार्यक्रम में देरी, राफेल सौदे को लेकर राजनीतिक विवाद और धीमी गति वाली खरीद प्रक्रिया के कारण ही मिग 21 को सामान्य से अधिक समय तक सेवा में रखना पड़ रहा है।

जुलाई 2022 में भारतीय वायु सेना ने शेष सभी मिग -21 लड़ाकू स्क्वाड्रन को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए तीन साल की कार्य योजना तैयार की थी। जिसमें से एक स्क्वाड्रन सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाली है। एक समय मिग-21 विमान अपने सभी संस्करणों के साथ भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ बना था। वहीं वायुसेना में दुर्घटनाओं की संख्या भी मिग 21 विमानों में सबसे अधिक थी।

भारतीय वायु सेना मिग-21 लड़ाकू विमानों को मजबूरी में उड़ा रही थी। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान व चीन से दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने के लिए लड़ाकू विमानों की 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। मगर भारत के पास अभी 32 स्क्वाड्रन ही मौजूद है। जिनमें भी तीन स्क्वाड्रन मिग-21 के शामिल है। भारतीय वायु सेना के पास लड़ाकू विमानों की कमी का मुख्य कारण लंबे समय से लड़ाकू विमानों की खरीद नहीं करना है। 2016 में फ्रांस से दो स्क्वाड्रन विमानों की खरीद की गई थी।

भारत में निर्मित स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस की 83 यूनिट खरीदने के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को आर्डर दिए गए हैं। जिनकी आपूर्ति में अभी समय लगेगा। ऐसे में वायु सेना को तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लड़ाकू विमानों की जरूरत है। भारत ने 114 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए वैश्विक स्तर पर बोलियां आमंत्रित की गयी है। इन मल्टीरोल लड़ाकू विमानों की खरीद पर भारत सरकार करीबन एक लाख करोड रुपयों से अधिक की राशि खर्च करेगी। अमेरिकी, फ्रांसीसी और स्वीडिश विमान निर्माता कंपनियां इस सौदे को हासिल करने के लिए दौड़ में शामिल है। अगले साल से स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस वायु सेना को मिलने शुरू हो जाएंगे। जिस से उम्मीद है कि आने वाले चार-पांच वर्षों में भारतीय वायु सेना के पास 40 से अधिक स्क्वाड्रन हो जाएगी।

हमारे देश में वायु सेना के लिए विमानों व हेलीकॉप्टरों में खरीद की प्रक्रिया धीमी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व में घोषणा की थी कि विभिन्न दुर्घटनाओं में क्षतिग्रस्त हुए 12 सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान और 21 मिग 29 विमानों को जल्दी ही खरीद कर वायुसेना को दिया जाएगा ताकि वायुसेना के बेड़े में उनकी संख्या पूर्ववत हो जाए। मगर यह सौदा भी अभी बातचीत के स्तर पर ही चल रहा है। यदि समय पर उक्त सौदा पूरा हो जाता तो भारतीय वायु सेना को 33 लड़ाकू विमान और मिल जाते।

मिग-21 लड़ाकू विमानों की उड़ानों पर रोक लगाकर वायु सेना ने एक सराहनीय फैसला लिया है। आए दिन मिग-21 लड़ाकू विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने से जहां पायलटों की तो जान जा ही रही थी उसके साथ ही आमजन की भी हानि होने की संभावना बनी रहती थी। जिस तरह से राजस्थान के सूरतगढ़ के पास एक गांव में मकान पर मिग-21 विमान गिरा जिससे 3 महिलाओं की मौत हो गई थी। वह तो गनीमत थी कि पायलट ने घनी आबादी से दूर विमान को ले जाने का प्रयास किया था। जिसकी बदौलत बड़ी दुर्घटना होने से रह गई थी। ऐसी दुर्घटनाओं के चलते जहां तक संभव हो मिग-21 को जमीन पर ही रखा जाए तो देश व सेना के लिए अच्छा होगा।

**रमेश सर्राफ धमोरा**
झुंझुनू, राजस्थान

## आमा

जेकर करँव बखान गा, हावय गुण के खान ।
हरदी मिरचा डार के, धरलव बने अथान ।।
धरलव बने अथान, मजा अम्मट के पावव ।
चानी- चानी काट, अमचूर घलो सुखावव ।।
लगथे पाना डार, हवन पूजा मा येकर ।
फर के राजा आय, बतावँव गुण ला जेकर ।।
लावव आमा टोर के, पना बनाके खाव ।
रस ला येकर चूस के,खूब विटामिन पाव ।।
खूब विटामिन पाव,दूर भागय बीमारी ।
पाचन रखथे ठीक, मिले जी ताकत भारी ।।
पोठ विटामिन संग, फाइबर येमा पावव ।
लू ले करय बचाव, टोर के आमा लावव ।।

**मुकेश उइके मयारू**
चेपा,पाली,
कोरबा
छत्तीसगढ़

## कभी खुद से बातें कर लिया होता

कभी खूद से बातें कर लिया होता।
कभी खूद के लिए जी लिया होता।।
कभी स्वयं के लिए तो रोया होता।
कभी ईश्वर को याद कर लिया होता।।
कभी तो खूद के बारे में सोचा होता।
कभी तो राहें भी बदल लिया होता।।
कभी खूद को करीब से देखा होता।
कभी खूद को तो जान लिया होता।।
कभी खूद ख्वाबों को न मिटाया होता।
कभी खूद हसरतों को पूरा कर लिया होता।।

**प्रभात गौर**
नेवादा जंघई
प्रयागराज
उत्तरप्रदेश

## बगुला भगत

देश से गरीबी हटाते हटाते खुद
बन बैठे स्वंय का वो धनवान
कल तक कानून के डर से भागे
आज बन गया है खुद पहलवान
करने निकले थे जनता की सेवा
कर्तव्य पथ भूल बैठा है ये
तिकड़मबाजी गले पड़ गई
बगुला भगत में दिखते हैं ये
कैसे कैसे चेहरे ले आते हैं
खुद बन जाता है बहु रूपिया
कहाँ सोया है देश का कानून
इनके पीछै लगा दो तंत्र खुफिया
जनतंत्र की है गला घोंट दी
दिखता इनको खतरे में संविधान
उजूल फिजुल खुद बकते हैं
देश को दिखाते हैं खुद विधान
कैसे किसपर यकीन करे जनता
कब तलक हम बनते रहेगें मूर्ख
नकली चेहरा ले कर है घूमता
कब मिटेगी गरीबों की भूख

**उदय किशोर साह**
जयपुर बाँका
बिहार

# संबंधों को समझने से ही प्यार सजीव रहता है

समय के साथ सभी जगह बदलाव आने के साथ संबंधों में भी बदलाव आता है। विवाह के पहले हो या विवाह के बाद, समय के साथ तमाम बदलाव आता ही है और इन बदलावों को स्वीकार कर लेने में ही बुद्धिमानी भी है। मनुष्य को अमुक चीजों को पकड़े रहने की आदत होती है। अच्छा समय हो या अच्छे संबंध, वह हमेशा इन्हें पकड़े रहने की कोशिश करता है। पर समय तो रेत जैसा होता है। वह कभी किसी की मुट्ठी में नहीं बंधता। इसे जितना ही पकड़ने की कोशिश की जाएगी, वह उतनी ही तेजी से हाथ से सरकने लगता है। ऐसा ही कुछ संबंधों के मामले में भी है। संबंध जो सचमुच में आप के लिए नहीं बना, उसे पकड़े रखने का प्रयास दुखद ही साबित होगा। ऐसे संबंधों के बारे में थोड़ी बातचीत करनी है,जो टॉक्सिक हो चुके हैं।

ज्यादातर ऐसे टॉक्सिक संबंधों में दो में से एक व्यक्ति अधिक जुड़ाव वाला होता है और एक व्यक्ति अल्हड़। दो व्यक्ति किसी न किसी कारण एक दूसरे से आकर्षित हो कर नजदीक आने की कोशिश करते हैं। शुरुआत में तो सब कुछ अच्छा होता है। एक दूसरे के बगैर एक मिनट भी बिताना मुश्किल होता है। चाहे जितना भी काम क्यों न हो, बीच-बीच में एक दूसरे की आवाज सुन लेने की आदत, व्यस्तता, फिर भी मैसेज का जवाब तुरंत देने की आदत और ऐसे ही कितने सुंदर क्षणों के बाद किसी कारणवश दोनों में से एक व्यक्ति का व्यवहार बदलने लगता है, वह व्यक्ति अपनी व्यस्तता का बहाना बना कर दूसरे व्यक्ति से थोड़ी दूरी बनाने लगता है तो समझ लेना चाहिए कि संबंध पूरे होने की कगार पर आ गए हैं। क्योंकि यहां खींच-पकड़ कर या जोर-जबरदस्ती करने से बात सुधरने के बजाय बिगड़ती ही जाती है। कोई व्यक्ति आप के साथ पहले की तरह नहीं रह रहा, आप से दूर भाग रहा है तो समझ लीजिए कि उसे रोकने का कोई मतलब नहीं रह जाता। जाने वाले व्यक्ति को जबरदस्ती रोकने से संबंध में टॉक्सिकनेस बढ़ने से विशेष दूसरा कुछ नहीं होता। समझ लीजिए कि जो व्यक्ति आप के लिए बना है, उसे आप के प्रति सचमुच लगाव है, जो आप को सम्मान दे रहा है, वह कभी भी आप से दूर नहीं जा सकता। अलबत्त, यह भी नहीं कि संबंध है तो हमेशा संबंध के शुरुआती समय में जो लपझप करते हैं, उसी तरह बने रहें। समय के साथ मेड फार ईचअदर संबंधों में भी कुछ हद तक बदलाव आता ही है। इस बदलाव के बाद भी एक-दूसरे को मनाना, एक-दूसरे से बात करने में जो एफर्टस लगाया जाता है, वही सच्चे संबंध हैं। सच पूछो तो यही मेच्योरिटी है। संबंध को अच्छी तरह चलाने में व्यक्ति की समझदारी बहुत काम आती है।

### कहां तक मौका दें

दो व्यक्ति लगाव के तार से बंधते हैं। इसके बाद दो में से एक व्यक्ति किसी कारणवश संबंध में उदासीनता दिखाने लगता है तो शुरुआत में सामने वाला व्यक्ति समझदारी दिखाते हुए उसकी उदासीनता को उसकी व्यस्तता मान कर माफ करता रहता है। सामने वाला व्यक्ति बात न करे, फोन या मैसेज का जवाब न दे, छोटी-बड़ी हर बात में बहाना बनाए, जिस बहाने को आप पचा न सकें, फिर भी पचा लें। मात्र इस आशा से कि ऐसा करने से संबंध फिर से पहले जैसे अच्छे हो जाएंगे। बारबार मौका देने के बावजूद भी सामने वाले व्यक्ति की उदासीनता यथावत रहती है तो आदमी ऊब जाता है। वह बारबार मौका दे कर थक जाता है। उसे लगने लगता है कि यह जो कुछ चल रहा है, वह ठीक नहीं है। यह समझदारी आने के बाद आदमी सामने वाले व्यक्ति से इस बारे में बात कहना शुरू करता है। प्यार से, गुस्से से, लड़ाई-झगड़ा कर के और अन्य अनेक तरीके से सामने वाले व्यक्ति की समझाने कोशिश करने वाला व्यक्ति बारबार मौका देता है। बारबार मौका देने के बाद भी सामने वाला व्यक्ति अगर वैसा ही रहता है तो समझ लीजिए कि मौका देने का समय चला गया। आप एक बार अपने लगाव को सामने वाले व्यक्ति पर झोंक दीजिए, आप उसके इस व्यवहार से क्या समझ रही हैं, उससे कह दें। यह सब करने और कहने के बाद उस व्यक्ति का व्यवहार फिर पहले जैसा ही हो जाता है तो समझ लीजिए कि अब उस आदमी को मौका देने का समय चला गया है। क्योंकि जिसे आप के साथ रहना ही नहीं है, उसे बारबार मौका दे कर आप अपने आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा रही हैं। एक बार इतना सब छोड़ने के बाद, इतना दुखी होने के बाद अगर वह व्यक्ति आप के पास आता है तो मन को संतोष भले मिल जाए, पर खुशी बिलकुल नहीं मिलेगी। क्योंकि आत्मसम्मान को दांव पर लगा कर मिली कोई चीज लंबे समय तक खुशी देने के बजाय कष्ट अधिक देती है।

### यह भी एक तरह का जवाब है

अक्सर ऐसा होता है कि आप बारबार किसी के सामने अपने दिल की बात रखती हैं, उस समय वह व्यक्ति आप के साथ अच्छा व्यवहार करता है, पर कुछ समय बीतने पर वह उदासीनता भरा व्यवहार करने लगता है तो समझ लीजिए कि यह भी एक प्रकार का जवाब है। कहा जाता है कि जवाब आना भी एक तरह का जवाब है। बस, इसी बात को याद रख कर चलना चाहिए। कभी-कभी हम लोग यह भी करते हैं कि अपने लगाव या स्नेह को सीधी तरह उस व्यक्ति से व्यक्त करने के बजाय सोशल मीडिया द्वारा कहने या जताने की कोशिश करते हैं। अब इससे उस व्यक्ति पर खास असर नहीं होता, पर सोशल मीडिया को पोस्ट से अन्य लोगों को मनोरंजन जरूर होता है। आप खुद ही समझिए कि जो व्यक्ति आप के प्रति पहले से ही उदासीन हो, जिस व्यक्ति ने आलरेडी तय कर लिया हो कि वह आप के साथ संबंध में नहीं रहना चाहता, आप कितना भी कहेंगी, उसका निर्णय वही होगा। ऐसे में सोशल मीडिया की पोस्ट द्वारा दूसरों को मनोरंजन कराने से क्या फायदा? ऐसा कर के अपनी डिग्निटी खोने के अलावा और कुछ नहीं होगा।इसलिए जो जाना चाहता है, उसे मनाने का प्रयत्न करने के बाद उसे पकड़े रखने के बजाय उसे जाने देने में ही भलाई है। जो आप के साथ रहना नहीं चाहता, उसे जबरदस्ती साथ रख कर मानसिक शांति को दांव पर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से दर्द के अलावा और कुछ नहीं मिलेगा।

**स्नेहा सिंह**
नोएडा
उत्तरप्रदेश

# सामाजिक परिवर्तन का अभियान हर हाल में चलते रहना चाहिए

एक ऐसा भी समय था जब भारत पूरी तरह से बौद्धमय था।जिस समय को भारत का स्वर्णकाल कहा जाता था।कहते हैं कि तब लोग अपने घरों में ताला लगाने की आवश्यकता महसूस नहीं करते थे।फिर आर्यों का आगमन हुआ और वे अपनी संस्कृति को भारत में फैलाना शुरू किये।जब पूरी तरह से भारत के लगभग अधिकांश हिस्सों पर काबिज़ हो गए तब अपनी सांस्कृतिक पकड़ के लिए विभिन्न नियमों को लागू करने लगे।मनुस्मृति उनका प्रमुख ग्रंथ था जिसके अनुसार मानवों के चार वर्ण किये गए।इस वर्णव्यवस्था के अनुसार जातीय विषमता और ऊंच नीच के भेदभाव चहुँओर फैला।इस व्यवस्था के कारण लोग जिल्लत और जहालत की जिंदगी जीने पर मजबूर हुए।

सामाजिक विषमता के इस जाल को काटने के लिए हमारे अनेकानेक महापुरुषों व महामानवों ने ताउम्र प्रयास किये।बुद्ध के शुरू किए इस कारवां को समय समय पर अनेक लोगों ने अपनी बातों, गीतों के माध्यम से आगे बढ़ाया।संत कबीर, संत रैदास, संत गुरू घासीदास,ज्ञानपुंज महामना ज्योतिबा राव फुले, माता सावित्री बाई फुले, फातिमा शेख, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, नारायणा गुरू, संत गाडगे बाबा, पेरियार ई. वी. रामास्वामी,जगदेव बाबू, ललई सिंह यादव,करिया मुंडा के साथ अनगिनत लोगों ने भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया।सामाजिक परिवर्तन के इस अभियान को जबरदस्त पर मान्यवर कांसीराम जी ने दिया।उन्होंने सभी असंगठित लोगों को एक सूत्र में पिरोने के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए एक नया शब्द बहुजन समाज दिया।उनके प्रयासों से संपूर्ण देश में सामाजिक और राजनीतिक चेतना का प्रसार हुआ।बाबा साहब ने अथक प्रयास से संविधान में समता, समानता और बंधुत्व की भावना के साथ हर जाति, धर्म के लोगों के लिए अधिकार सुरक्षित किये।लेकिन जातीय उच्चता के पोषक सत्ता के नशे में कभी भी समानता की बात नहीं किये।वे बीच बीच में समरसता की बात कर शोषितों, पीड़ितों को बरगलाने का प्रयास करते रहे।

हमें संगठित होकर सामाजिक परिवर्तन के लक्ष्य को प्राप्त करना ही होगा।पाखंड, कुप्रथाओं, भेदभाव, पूजापाठ,स्वर्ग नरक की लालसा को हम धीरे धीरे जनजागृति लाकर लोगों के मन से दूर कर तार्किक क्षमता और विज्ञान व वैज्ञानिक सोच भर सकते हैं।सत्ता ही हर समस्या का समाधान है।महापुरुषों के इन सद्कार्यों को हमें आगे बढ़ाना ही होगा ताकि देश के उन सभी वंचितों, शोषितों व भेदभाव के शिकार लोगों को यकीन हो पाए कि भारत किसी जाति विशेष का नहीं है बल्कि हम सब का है।आज भी देश में बहुत से सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक, कवि सामाजिक परिवर्तन के कार्य में लगे हुए हैं।हजारों वर्षों की मानसिक गुलामी को एक झटके में खत्म नहीं किया जा सकता।हमें कामयाबी मिलेगी और भविष्य का सुनहरा दौर हम भारतवासियों का होगा।

**राजेन्द्र लाहिरी**
पामगढ़
छत्तीसगढ़

## तेरा इश्क

जान ले ले न तेरा इश्क, न ऐसे आज़मां।
छुप गया चाँद बादलों में, सुहाना है समां।
प्यार करने दे जरा, देख खिल उठेगी हयात,
महक उठी हैं फिज़ाएं, मचल रहे अरमां।
जरा सिमट के आ करीब, जी ले लम्हें को,
न डर अंधेरे से जला दूं, तेरे दिल की शमां।
थरथराते लबों पे, नाम तो आने दे जरा
गूँजने दे लबों पे आज, प्यार का नगमां।
ये हवाएं ये फज़ाएं, ये गुलों की खुशबू,
दिल को बेखुद बना रहे हैं, ये सभी मेहमां।

**पुष्पा स्वाती**
मुम्बई

## वो जाता शख्स

वो जाता शख्स मुझको दुहाई दे गया
वफा की शक्ल में भी बेवफाई दे गया
जमाने से जो कैद-ए-इश्क लगी थी हुई
फिराक में वही वक्त-ए-रिहाई दे गया
तिजारत ही रवायत है कहा उसने के यूँ
बिन कहे ही कहो सारी सफाई दे गया
तबाह तो न हुए हम के है खुदा करीब
दो पल ही बस किस्मत-आज़माई दे गया
गुनाह अपना जो पूछा हमने उनसे गीत
हमारे बारे में फेहरिस्त भर बुराई दे गया

**प्रियंका अग्निहोत्री गीत**
वाराणसी उत्तरप्रदेश

## मुकम्मल हो जाए

दो कदम ही साथ चलो,
साथ मुकम्मल हो जाए।
जरा मुस्कुरा दो,
चाँदनी रात मुकम्मल हो जाए।
पिघल रही है दर्द की बर्फ ,
किनारे बह न जाए,
आओ मिल के रो ले,
बरसात मुकम्मल हो जाए।
मुझे तुम से मौहब्बत है,
इकरार करता हूँ,
तुम भी हाँ कह दो न
बात मुकम्मल हो जाए।
दरम्यां है फासले,
अधूरी अधूरी है मुलाकात,
मिटा दो ये दूरियां,
मुलाकात मुकम्मल हो जाए।
तेरे आँसू मेरी पलकों पे,
मेरे गीत तेरे लबों पे,
ऐसे हम साथ चले,
कायनात मुकम्मल हो जाए।

**ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर**
भोपाल,मध्यप्रदेश

## मेरा ये घर मुझको ढूंढता है

मेरा ये घर मुझको ढूंढता है
जब से मैं,मुझसे बिछड़ गया
वो हर पल मुझको ढूंढता है
ठहाकों की मेरी आवाजों को
वो आज भी कहीं सुनता है
मेरा ये घर,मुझको ढूंढता है
मेरा ये घर मुझको ढूंढता है
अंदर का बच्चा जो रूठ गया
उस निश्चिन्त मैं को ढूंढता है
मेरे अंदर बसे जज़्बातों को
वही है अब,जो समझता है
मेरा ये घर मुझको ढूंढता है
मेरा ये घर मुझको ढूंढता है
जब से दिल टूट,बिखर गया
वो टुकड़े बार बार जोड़ता है
फिर मुझे पहले सा देखने की
कोशिश वो पहली,करता है
मेरा ये घर मुझको ढूंढता है

**आशीष शर्मा अमृत**
जयपुर, राजस्थान

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

# तस्करों ने एक ही दिन में काट डाले 150 से अधिक पेड़,कार्रवाई की जगह जिम्मेदार सो रहे चैन की नींद

## सरगुजा जिले के लुंड्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डडग़ांव में मशीन लगाकर दे दी गई पेड़ों की बलि,नायब तहसीलदार का कहना हमने वन विभाग को दी थी सूचना,जबकि रेंजर बोलीं-मुझे नहीं मिली सूचना...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

राजस्व अधिकारियों की उदासीनता के कारण लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के डडगांव में तस्करों द्वारा 150 से अधिक पेड़ों की बलि चढ़ा दी गई। इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई होने से पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है। लेकिन जिले के जिम्मेदारों को इससे कोई लेना देना नहीं है। केवल इन्हें मोटी कमाई से मतलब है। बताया जा रहा है कि तस्करों ने एक दिन में डेढ सौ से अधिक पेड़ों की कटाई करा दी।

बताया जा रहा है कि ये सारा काम तहसलीदार, वन विभाग की मिली भगत से हुआ है। सरगुजा जिले के लुंड्रा ब्लॉक अंतर्गत डडगांव ग्राम है। इस गांव में नन्दोला मंदिर के पास कई एकड़ शासकीय जमीन में युकेलिप्टस और आर्केसिया के पेड़ लगाए गए थे। लकड़ी तस्करों की नजर इन पेड़ों पर बहुत पहले से थी।

तस्कर राजस्व अधिकारियों, वन विभाग व गांव के सरपंच, उप सरपंच की मिली भगत से पेड़ों को काटकर बेचने में लगे हैं। दिन दहाड़े तस्करों ने 150 से ज्यादा पेड़ों की कटाई करा दी और क्रेन और ट्रकों के माध्यम से पेड़ों को मिल में खपाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि तस्करों ने अब तक युकेलिप्टस और आर्केसिया के लगभग चार सौ पेड़ों काट दिया है। इधर सैकड़ों पेड़ के काटने से पर्यावरण को नुकसान के साथ राजस्व का बड़ा नुकसान हुआ है। बड़ी मात्रा में पेड़ों की कटाई होने के बाद भी राजस्व और वन विभाग मौन है।

### तस्करों पर नहीं होती है कार्रवाई

नियम विरूद्ध सैकड़ों पेड़ों की कटाई होने से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। हालांकि लकड़ी तस्करों द्वारा शासकीय जमीन में लगे पेड़ों को काटने का

ये पहला मामला नहीं है। इसके बावजूद जिम्मेदार इन पर कार्रवाई करने की बजाय मौन हैं। कार्रवाई नहीं होने से तस्करों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

### मशीन से काट दिए जा रहे सैकड़ों पेड़

तस्कर पेड़ कटाई करने के लिए कुल्हाड़ी का उपयोग नहीं कर रहे हैं। तस्कर काफी कम समय में मशीन के माध्यम से सैकड़ों पेड़ों की बली चढ़ा रहे हैं। कुल्हाड़ी से काटने में समय ज्यादा लगता है। इसलिए तस्कर अब मशीन का उपयोग कर दिन व रात में धड़ल्ले से पेड़ों की कटाई करवा रहे हैं। वहीं जिम्मेदार चैन की नींद सो रहे हैं।

### पौधरोपण में बड़ी राशि हो रही खर्च, इधर धड़ल्ले से कटाई

एक तरफ सरकार पौधरोपण में लाखों रुपए खर्च कर रही है। वहीं तस्कर शासकीय भूमि पर लगे पड़ों की अंधाधुंध कटाई कर रहे हैं। पेड़ों की कटाई कर मिलों में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। इस अवैध कारोबार में वन विभाग व राजस्व विभाग की पूरी तरह मिलीभगत रहती है।

### नायब तहसीलदार की भूमिका संदिग्ध

लुण्ड्रा नायब तहसीलदार का कहना है कि डडगांव के ग्रामीणों ने ग्राम सभा पारित कर पेड़ों की कटाई कर दी है। इसके लिए राजस्व विभाग से अनुमति नहीं ली गई है। जानकारी मिलने पर पेड़ों को जब्त कर कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया है।

वहीं इस मामले में लुण्ड्रा वन परिक्षेत्र की रेंजर आकांक्षा लकड़ा का कहना है कि जिस स्थान पर पेड़ों की कटाई हुई है वह राजस्व की भूमि है। वहीं नायब तहसीलदार द्वारा मुझे कार्रवाई के लिए कोई सूचना नहीं दी गई है।

# 1000 एकड़ शासकीय भूमि हुआ निजी मद में दर्ज

- धान विक्रय व बैंकों से ऋण लेकर 100 करोड़ से अधिक का किया है गबन
- कलेक्टर ने एसडीएम को जांच के दिया सख्त आदेश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

. राजस्वअधिकारियों की मिलीभगत से शासकीय भूमि को निजी मद में दर्ज कर धान विक्रय व बैंकों से लोन लेने का खेल सरगुजा में चल रहा है। कुछ दिन पूर्व ही बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम भटको सहित अन्य गांवों की 130 एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से निजी मद में दर्ज करा लिया गया था। इस मामले में मंत्री के पूर्व कथित निजी सचिव, पटवारी, कानूनगो सहित 23 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था। इसी बीच

मैनपाट के 4 ग्राम पंचायतों में 1000 एकड़ शासकीय भूमि का फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर से जनदर्शन में की है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कलेक्टर को दिए गए शिकायती आवेदन में ग्रामीणों का कहना है कि मैनपाट के ग्राम कंडराजा, बरिमा, नर्मदापुर व उरंगा में पटवारी, तहसीलदार व आदिम जाति सेवा सहकारी सेवा समिति नर्मदापुर के सहप्रबंधक की मिलीभगत से 1000 एकड़ भूमि निजी मद में दर्ज कर धान विक्रय व बैंकों से ऋण लेकर 100 करोड रुपए गबन कर शासन को क्षति पहुंचाई गई है। उन्होंने बताया है कि ग्राम कंडराजा के शासकीय भूमि खसरा नंबर- 1, 39, 297, 300 व 301 की भूमि आदिम जाति सेवा सहकारी सेवा समिति नर्मदापुर के सहप्रबंधक के पद पर पदस्थ ग्राम नर्मदापुर निवासी मोहन यादव द्वारा स्वयं व अपने परिजनों के नाम से 390 एकड़ शासकीय भूमि का बटांकन कर निजी मद में दर्ज करा लिया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त भूमि में 1990 में सामाजिक वानिकी विभाग द्वारा पौधरोपण किया गया था, यहां अभी भी लाखों पेड़ हैं। इस जमीन को तत्कालीन पटवारी द्वारा कूटरचित कर मोहन यादव के परिजनों के नाम से कर धान का विक्रय किया गया है। वहीं सेंट्रल बैंक, स्टेट बैंक व ग्रामीण बैंक से उक्त भूमि को दिखाकर करोड़ों रुपए का ऋण भी स्वीकृत कराया गया है। इसमें मैनपाट तहसीलदार की भूमिका भी संदिग्ध है, क्योंकि उक्त शासकीय भूमि को निजी मद में दर्ज कर बटांकन व नक्शा भी दुरुस्त किया गया है।

### नर्मदापुर, उरंगा व बरिमा में भी फर्जीवाड़ा

शिकायत में ग्रामीणों ने बताया है कि इसी प्रकार ग्राम नर्मदापुर में भी कई एकड़ शासकीय भूमि को अवैध रूप से निजी मद में दर्ज कर आदिम जाति सेवा सहकारी समिति में कूटरचना कर ऋण लेने के अलावा धान का विक्रय किया है। वहीं ग्राम बरिमा में खसरा नंबर 1135/1, 2, 3, 832/6 तथा 1333/18 सहित एनएमडीसी को आवंटित भूमि पर भी फर्जीवाड़ा कर धान विक्रय किया है। इसी प्रकार ग्राम उरंगा में फुलबसिया बाई द्वारा स्कूल, आंगनबाड़ी भवन को दान की गई भूमि को नर्मदापुर निवासी विजय यादव पिता छोटन द्वारा अपने नाम से करा लिया गया है।

### ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने ग्राम कंडराजा, बरिमा, नर्मदापुर व उरंगा में 1000 शासकीय भूमि के फर्जीवाड़े मामले में कलेक्टर से जांच पश्चात दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि शासकीय जमीन के फर्जीवाड़े की जानकारी पटवारी व तहसीलदार को भी है। वहीं भू-माफियाओं द्वारा उन्हें डराने-धमकाने का भी कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मामले की जांच और कार्रवाई नहीं होती है तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

# तलवार के साथ आदतन बदमाश अंश पंडित गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने तलवार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक मायापुर में हाथ में तलवार लेकर आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 22 मई को पुलिस कंट्रोल रूम को सूचन मिली थी कि चांदनी चौक के आसपास कुछ आसामाजिक तत्व हाथ में लाठी डंडा एवं हथियार लेकर बाइक में घूम रह हैं और आमनागरिकों को आतंकित कर रहे हैं। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर मायापुर निवासी अंश पंडित हाथ में लतवार लेकर लोगों को डरा धमका रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में पुलिस ने बताया कि आरोपी आदतन बदमाश है और थाना कोतवाली एवं थाना गांधीनगर में पूर्व में भी कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग, सहायक उप निरीक्षक मनोज उपाध्याय, प्रआर छत्रपाल सिंह आरक्षक इदरीश खान, जयदीप सिंह, रुपेश महंत एवं सैनिक राकेश शामिल रहे।



# बिपेड के छात्रों का परीक्षा परिणाम जल्द जारी करने की मांग

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

आजाद सेवा संघ छात्र मोर्चा द्वारा संभाग के संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलसचिव को सौंपा गया ज्ञापन। हाल ही में छत्तीसगढ़ शासन , स्कूल विभाग द्वारा स्वामी आत्मानन्द शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में संविदा भर्ती हेतु वैकेंसी निकली है। जिसमे सरगुजा सम्भाग के विश्वविद्यालय के बीपीएड के छात्रों को रोजगार मिल सकते हैं। सरगुजा सम्भाग के सरस्वती महाविद्यालय में इस ही विषय का अध्ययन चौथे वर्ष तक पहुंचा है जिसमे सिर्फ 19 छात्र हैं जो 4 वर्ष का परीक्षा दिए हैं परन्तु इस सत्र का अबतक विश्विद्यालय द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित नही होने के

कारण इच्छुक छात्र इसमे सम्मिलित नही हो पा रहे। शासन द्वारा योग्यता में स्नातक, स्नातकोत्तर की पात्रता के साथ बीपेड की डिग्री अनिवार्यतः रूप शामिल किया गया है। गैर राजनीतिक दल आजाद सेवा संघ छात्र मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रतीक गुप्ता के नेतृत्व में छात्रों के द्वारा संभाग के सबसे बड़े विश्वविद्यालय संत गहिरा गुरु के कुलसचिव को बीपेड के छात्रों का परीक्षा परिणाम जल्द जारी करवाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया, जिससे बीपेड की डिग्री पूर्ण करने वाले छात्र शामिल हो सकें।

# पानी की तलाश में जंगल से भटककर गांव में पहुंचा हिरण,कुएं में गिरा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

पानी की तलाश में जंगल से भटककर शहर से लगे रेलवे स्टेशन के समीप अजिरमा गांव में पहुंच गया। गांव में पहुंचने के साथ ही कुत्तों ने दौड़ाने लगे। भागने के चक्कर में हिरण कुएं में जा गिरा। जिसे काफी मशक्कत के बाद एसडीआरफ की टीम ने बाहर निकाल कर उसकी जान बचाई।

दरअसल अंबिकापुर शहर से लगे पिलखा पहाड़ जंगल में लकड़ी लेने आए लोगों ने बीते दिन 4 हिरणों को विचरण करते देखा था।

जिसके बाद मंगलवार की सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने रेलवे स्टेशन के अजिरमा गांव के पास एक कुएं में हिरण गिरा हुआ देखा गया। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी वन विभाग को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम व एसडीआरएफ की टीम की मदद से हिरण को 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे उपचार के लिए पशु चिकित्सालय लाया गया। वहीं हिरण स्वस्थ होने तक वन विभाग की निगरानी में रखा गया है। स्वस्थ्य होने के बाद उसे जंगल में छोड़ा जाएगा।

# बच्चों को मिलेगी खुशनुमा माहौल में शिक्षा : आदित्येश्वर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

नए शिक्षण सत्र में छात्र-छात्राओं को बेहतर माहौल में शिक्षा मिले, इसके लिए हम सब संकल्पित हैं। बरसात में स्कूलों की छत न टपके, फर्श में गड्ढों की जगह टाइल्स हो, दीवारें साफ सुथरी हो तो बच्चे खुशनुमा माहौल में बेहतर शिक्षा ग्रहण करेंगे। उक्त बातें जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। उन्होंने लखनपुर और उदयपुर क्षेत्र में विभिन्न मदों से हो रहे स्कूल भवन के मरम्मत कार्य का निरीक्षण और अतिरिक्त कक्ष के भूमिपूजन किया। जिला पंचायत निर्माण समिति के अध्यक्ष राकेश गुप्ता भी साथ थे। आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने लखनपुर विकासखण्ड के प्राथमिक शाला लहपटरा, राजपुरी, माध्यमिक शाला बिनकरा, गोरता, पुहपुटरा, कोरजा में चल रहे मरमम्त कार्य का निरीक्षण किया। अभिभावकों और शिक्षकों कर साथ चर्चा की। सतत मोनिटरिंग करने व क्वालिटी से कोई समझौता नहीं करने निर्देशित किया। तकनीकी अमले को तय समय सीमा में काम पूरा करने का निर्देश दिया। सिंहदेव ने उदयपुर विकासखण्ड के ग्राम चैनपुर और लालती के स्कूल में अतिरिक्त कक्ष का भूमिपूजन और चैनपुर में स्वामीआत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल भवन के निर्माण कार्य का जायजा लिया। जिपं उपाध्यक्ष सिंहदेव कहा कि क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से शाला विकास समिति, ग्राम पंचायतों और आरईएस के माध्यम से स्कूलों की मरम्मत और जरूरत के मुताबिक अतिरिक्त कक्ष का काम हो रहा है। एक बड़ी धनराशि इसके लिए राज्य सरकार से मिली है। हम सब की जिम्मेदारी है इसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ हो।

# थाना झिलमिली पुलिस ने सुलझाया 12 घंटे के भीतर अंधे कत्ल की गुत्थी,एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

विगत दिवस ग्राम कुसमुसी चौकी बसदेई निवासी ओम प्रकाश पैंकरा ने थाना झिलमिली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी भतीजी उर्मिला पैंकरा जिसकी दिमागी हालत ठीक नहीं है जिसका ग्राम केंवरा के शिवशंकर कुशवाहा से देवारी चल रहा था जो 22 मई के शाम को घर से काला रंग का बैग लेकर किसी को बिना बताए निकली थी जिसका शव आज ग्राम कोयलारी के सेंदरीनाला के पास खेत में खून से लथपथ अवस्था में पड़ा है किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से वार कर मारना बताया। रिपोर्ट पर मर्ग कायमी उपरान्त धारा 302, 201 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने मामले को सूक्ष्मता से जांच करते हुए अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी झिलमिली को दिए और एसडीओपी ओड़गी, एफएसएल टीम व डॉग स्क्वार्ड को मौके पर भेजा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना झिलमिली पुलिस प्रकरण की बारीकी से विवेचना करते हुए संदेही देवार शिवशंकर कुशवाहा को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि देवारी में लगने वाले खर्च को मांगने पर मृतिका के द्वारा देने से इंकार कर दिया गया इसी बात को लेकर दोनों के बीच वाद-विवाद हुआ और अपने साथ लाए कुल्हाड़ी से प्रहार कर मृतिका की हत्या कर दिया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी व मृतिका का बैग बरामद कर आरोपी शिवशंकर कुशवाहा पिता स्व. धर्मजीत कुशवाहा उम्र 70 वर्ष निवासी ग्राम केंवरा सतीचौक, थाना झिलमिली को गिरफ्तार किया गया।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, एसआई हिम्मत सिंह, एएसआई पास्कल लकड़ा, ललित तिर्की, प्रधान आरक्षक महेन्द्र यादव, आरक्षक दिनेश ठाकुर, हेमन्त सिंह, अवधेश पैंकरा, शौकीलाल चौहान, दीपक एक्का, महिला आरक्षक देशमती, बसंती गिद्ध व अंजीता तिर्की सक्रिय रहे।

# आत्मनिर्भर भारत पहल में अमेरिका बराबर का भागीदार,जनरल एटॉमिक्स के सीईओ का बड़ा बयान

**वाशिंगटन,23 मई 2023।**

प्रधानमंत्री इन दिनों विदेश यात्रा पर हैं, इस दौरान उन्होंने क्वाड और जी7 सम्मलेन में भी हिस्सा लिया। एक पल ऐसा भी आया जब पीएम मोदी से मिलने अमेरिका के राष्ट्रपति खुद आए और मोदी को गले लगाया। वहीं जून में पीएम मोदी की यात्रा भी प्रस्तावित है। इससे पहले जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक लाल ने कहा कि रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की भारत की पहल में अमेरिका स्वाभाविक भागीदार है।

### आत्मनिर्भर भारत एक बेहद प्रशंसनीय पहल

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत एक शानदार पहल है, जिसका लंबे समय से इंतजार था। इसे अधिक विकसित करने की जरूरत है। इसमें बहुत अधिक सहयोग, शोध और विकास और तकनीकी योगदान की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद प्रशंसनीय पहल है। प्रधानमंत्री के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अमेरिका और भारत साथ मिलकर काम करें, तो शायद यह सबसे अच्छा रास्ता होगा।

### पीएम मोदी से कर चुके हैं मुलाकात

विवेक लाल उन पांच अमेरिकी सीईओ में से एक हैं, जिनसे मोदी ने शहर की अपनी पिछली यात्रा के दौरान मुलाकात की थी, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पास भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक बहुत ही साहसिक और रणनीतिक दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि नीतिगत दृष्टिकोण और क्रियान्वयन के दृष्टिकोण से भी प्रधानमंत्री ने जो कुछ किया है, वह बेहद सराहनीय है।

### प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि दूरदर्शी

जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के सीईओ विवेक लाल ने कहा कि इस साल जनवरी में, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों या आईसीईटी (क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पर पहल) पर पहल का उद्घाटन भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों द्वारा महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों में, कृत्रिम बुद्धि, अर्धचालक और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी चीजों में किया गया था। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि दूरदर्शी है, और उनके पास दिन की भू-राजनीति के संदर्भ में एक स्वतंत्र और स्पष्ट इंडो-पैसिफिक रखने के सामान्य लक्ष्य में दोनों देशों के हित को साधने की क्षमता है।

विवेक लाल ने कहा कि और मुझे लगता है कि दोनों देश एक साथ काम करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। अमेरिका-भारत रक्षा संबंध वास्तव में पिछले कुछ दशकों में विकसित हुए हैं और वह इसका अवलोकन कर रहे हैं।

## खास चार्टर्ड विमान से सिडनी पहुंचे भारतवंशी, नाम दिया- मोदी एयरलाइंस, रास्ते भर लगे मोदी-मोदी के नारे

**नई दिल्ली , 23 मई 2023।** ऑस्ट्रेलिया में पीएम मोदी के समारोह में शामिल होने के लिए 170 भारतीय मूल के लोगों ने मेलबर्न से सिडनी चार्टर्ड प्लाइट में सफल किया। ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को लेकर क्वांटस फ्लाइट मंगलवार की सुबह सिडनी पहुंची।

इंडियन-ऑस्ट्रेलियन डायस्पोरा फाउंडेशन( आईएडीएफ) के सदस्यों ने तिरंगे के रंग वाले पगड़ी पहनकर और भारतीय झंडे लहरा रहे थे। पीएम मोदी के समर्थकों ने इस उड़ान को मोदी एयरवेज नाम दिया और इस उड़ान के लिए अपने तरीके से नृत्य भी किया।

सिडनी में होने वाला समारोह का आयोजन आईएडीएफ द्वारा ही किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के गतिशील और विविध भारतीय समुदाय का जश्न मनाने के लिए आईएडीएफ द्वारा सिडनी में इस समारोह का आयोजन किया गया है। उन्होंने आईएडीएफ को अपने बहुसांस्कृतिक समुदाय का एक मुख्य हिस्सा बताया है।

आईएडीएफ के सह संस्थापक डॉ. अमित सरवाल ने कहा- ÷बहुत सारे लोग समारोह स्थल के बाहर भी इंतजार में खड़े हैं, जहां वे पीएम मोदी के समर्थन में नारे लगा रहे हैं।÷

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज पीएम मोदी के साथ दिन में इस समारोह में शामिल हो सकते हैं। कल होने वाले द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच व्यापार और निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर बातचीत होगी। पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी से ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपने समकक्ष जेम्स मारपे के साथ दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर बातचीत की।

# नेपाल में अमेरिकी परियोजना का लाभ उठाएंगी चीनी कंपनियां?

**काठमांडो,23 मई 2023।**

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टकराव के बीच नेपाल में यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या यहां अमेरिकी वित्तीय सहायता से बनने वाली परियोजनाओं का लाभ चीनी कंपनियों को मिलेगा और उस हाल में अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होगी। नेपाल ने पिछले वर्ष अमेरिकी संस्था मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन से 50 करोड़ डॉलर की मदद स्वीकार की थी। उसके तहत जिन परियोजनाओं का निर्माण होना है, उनके लिए अब टेंडर मंगवाए जा रहे हैं। एक बिजली ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के लिए अमेरिका से हुए करार के तहत गठित मिलेनियम चैलेंज-एकाउंट्स नेपाल (एमसीए-नेपाल) ने निविदा आमंत्रित किए थे। अब यह सवाल आ खड़ा हुआ है कि क्या चीनी कंपनियों ने इस निविदा प्रक्रिया में हिस्सा लिया है?

पिछले साल 27 फरवरी को नेपाल की संसद ने मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन से करार के लिए समझौते पर मुहर लगाई थी। तब उसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुए थे। तब यह अफवाह फैली थी कि चीन की शह पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। तब नेपाल की शेर बहादुर देउबा सरकार ने कहा था कि अमेरिकी मदद से देश में ट्रांसमिशन लाइनों और सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

पिछले साल नवंबर के आखिर में 315 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण के लिए विश्व स्तरीय टेंडर जारी किया गया। इस टेंडर की समयसीमा सोमवार (22 मई) को समाप्त हो रही है। इस बीच देश में इस पर चर्चा गर्म है कि क्या इस परियोजना के लिए चीनी कंपनियों ने भी टेंडर भरा है। इस बारे में अखबार काठमांडू पोस्ट ने एमसीए-नेपाल से जानकारी मांगी थी। उस पर एमसीए-नेपाल ने कहा कि किसी कंपनी को टेंडर प्रक्रिया में भाग लेने से रोका नहीं गया है।

एमसीए-नेपाल ने कहा- 'दुनिया भर की प्राइवेट कंपनियां इस निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के योग्य रही हैं। सिर्फ क्यूबा, उत्तर कोरिया, ईरान और सीरिया की कंपनियों को इस प्रक्रिया में प्रतिबंधित किया गया था, क्योंकि इस परियोजना के लिए धन अमेरिका से मिला है।' गौरतलब है कि इन चार देशों पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं।

# ऑस्ट्रेलिया में पत्तियों के धुंए से हुआ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत,क्या है स्मोकिंग सेरेमनी

**सिडनी,23 मई 2023।**

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में पीएम एल्बनीज ने कोई कमी कसर नहीं छोड़ी। सिडनी के कुडोस बैंक एरिना में पहुंचे पीएम मोदी की अगुवाई प्रधानमंत्री एंथनी एल्बनीज ने गर्मजोशी से की। इस बीच पीएम मोदी का स्वागत पारंपरिक स्मोकिंग सेरेमनी से किया गया, जिसकी चर्चा हर तरफ है।

### जानें क्या होती है स्मोकिंग सेरेमनी

ऑस्ट्रेलिया में किसी भी महत्वपूर्ण या शुभ कार्यक्रम की शुरुआत स्मोकिंग सेरेमनी से की जाती है जो किय यहां का एक पारंपरिक रिवाज है। इस रिवाज में स्थानीय पौधों की पत्तियों (औषधीय) से धुआं किया जाता है। इस औषधीय धुएं को लेकर ऐसी मान्यता है कि इससे आध्यात्मिक और शारीरिक शुद्धि होती है। ऐसी मान्यता है कि स्मोकिंग सेरेमनी से बुरी आत्माओं को दूर किया जा सकता है। पहले इसे बच्चे के जन्म या दीक्षा, धार्मिक कार्यक्रमों के वक्त किया जाता था। अब विदेशी मेहमानों के स्वागत के दौरान भी स्मोकिंग सेरेमनी की जाती है। इस सेरेमनी को अक्सर आदिवासी समुदाय के किसी सदस्य द्वारा किया जाता है।

### आज दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे युवा टैलेंट फैक्ट्री भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के पास सामर्थ्य की कमी नहीं है। भारत के पास संसाधनों की भी कमी नहीं है। आज दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे युवा टैलेंट फैक्ट्री भारत में है। मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि आप सब ने भी आजादी का अमृत महोत्सव भी बड़े धूमधाम से मनाया है। हमारे किक्रेट के रिश्ते को 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। किक्रेट की फील्ड पर मुकाबला जितना रोचक होता है उतनी ही गहरी हमारी ऑफ द फील्ड दोस्ती है। पिछले साल जब महान क्रिकेटर शेन वार्न का निधन हुआ तो ऑस्ट्रेलिया के साथ कोटि-कोटि भारतीयों ने भी शोक मनाया। ये ऐसा था जैसे हमने अपना कोई खो दिया।

### पीएम मोदी की तारीफ में प्रधानमंत्री अल्बानीस ने पढ़े कसीदे

प्रधानमंत्री अल्बानीस ने कहा कि आखिरी बार मैंने इस मंच पर किसी को ब्रूस स्प्रिंगस्टीन के रूप में देखा था और उन्हें वह स्वागत नहीं मिला जो प्रधानमंत्री मोदी को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी द बॉस हैं।

# मार के सीमाई इलाकों में गृह युद्ध तेज, इकॉनमिक कॉरिडोर बना शिकार

**यंगून ,23 मई 2023।** म्यांमार की थाईलैंड से लगी सीमा पर सेना और सैनिक शासन विरोधी विद्रोहियों के बीच तेज लड़ाई जारी है। इस क्षेत्र में म्यांमार के नस्लीय अल्पसंख्यक समुदाय रहते हैं, जिन्होंने देश की सेना के खिलाफ हथियारबंद बगावत का रास्ता अख्तियार कर रखा है। इस लड़ाई के कारण एक बड़ी आर्थिक विकास परियोजना पर काम ठप हो गया है। इस परियोजना का निर्माण पूरा होने पर म्यांमार के मिकोंग डेल्टा देशों के साथ कारोबार में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना है।

म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया और वियतनाम मिकोंग डेल्टा क्षेत्र में आते हैं। इन देशों को जोड़ने के लिए 1,700 किलोमीटर लंबे ईस्ट-वेस्ट इकॉनमिक कॉरिडोर के निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। परियोजना पर काम लगभग पूरा ही होने वाला था, जब दो साल साल पहले म्यांमार में सेना ने निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट दिया। उसके बाद नस्लीय अल्पसंख्यक बागियों ने सशस्त्र विद्रोह का रास्ता अपना लिया।

थाईलैंड और म्यांमार के बीच ट्रक परिवहन की सेवा देने वाली एक जापानी कंपनी के कर्मचारी ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से बातचीत में कहा- 'अप्रैल में अचानक ट्रक और ड्राइवर मिलना बहुत मुश्किल हो गया।' पिछले मार्च से समुद्री मार्ग से म्यांमार को सामान भेजने या वहां मंगवाने की लागत में 50 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है।

थाईलैंड और म्यांमार के बीच जमीनी रास्ते परिवहन के एक बड़े जरिया के रूप में एशिया हाईवे-1 परियोजना निर्मित की जा रही है। ये सड़क थाईलैंड के मध्य में स्थित माये सोट से म्यांमार में मयावादी तक जाएगी। लेकिन इस इलाके पर करेन नेशनल यूनियन नाम के उग्रवादी संगठन का कब्जा है। करेन नेशनल यूनियन उन 20 नस्लीय उग्रवादी संगठनों में एक है, जिनका म्यांमार की सेना से 'युद्ध' चल रहा है।

करेन नेशनल यूनियन और सेना के बीच 2019 में एक समझौता हुआ था। उसमें यूनियन ने कॉरिडोर का निर्माण होने देने पर अपनी सहमति जताई थी। उसके बाद निर्माण कार्य तेज हुआ था। निर्माण में थाईलैंड बड़ी भूमिका निभा रहा था। इस बीच मुख्य मार्गों पर पुल हटाने और बनाने का काम एक जापानी कंपनी कर रही थी।

जानकारों के मुताबिक फरवरी 2021 में म्यांमार में सैनिक तख्ता पलट के बाद हालात नाटकीय ढंग से बदल गए। करेन नेशनल यूनियन ने फिलहाल जेल में डाली जा चुकीं नेता आंग सान सू ची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) से हाथ मिला लिया है। उसने एनएलडी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने इलाके में पनाह दे रखी है।

इस वर्ष मार्च-अप्रैल में इस इलाके में लड़ाई तेज हो गई। करेन नेशनल यूनियन ने यहां नौजवानों को लेकर लॉयन बटालियन और कोबरा कॉलम जैसे दस्ते बनाए हैं। इन लोगों ने मार्च में कसीनो (जुआघर), कस्टम दफ्तरों और अन्य सरकारी ठिकानों पर हमले तेज कर दिए। उसके बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की। बताया जाता है कि सेना की कार्रवाई में बागी गुटों को भारी नुकसान हुआ है। इस कारण इस क्षेत्र के दस हजार से ज्यादा निवासी विस्थापित होकर थाईलैंड चले गए हैं। उधर ईस्ट-वेस्ट इकॉनमिक कॉरिडोर पर काम बिल्कुल ठप हो गया है।

# अटलांटा जेल में जूएं और मल से ढका मिला आरोपी का शव,जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

**नई दिल्ली , 23 मई 2023।**

अटलांटा जेल में जूएं और मल से ढका एक व्यक्ति का मृत शरीर पाया गया। व्यक्ति का शव कुपोषित और निर्जलित था, उसे करीब एक महीने से उसकी सिजोफ्रेनिया की दवाई भी नहीं दी गई थी।

फुल्टन काउंटी के अधिकारी जॉर्जिया कोरोनर ने पिछले सितंबर में फैसला सुनाते हुए बताया कि 35 वर्षीय लशॉन थॉम्पसन की मृत्यु का कारण अनिर्धारित है। वहीं थॉम्पसन के परिवार द्वारा नियुक्त किए गए डॉक्टर रोजर मिशेल ने इसे मानव हत्या बताया। उनके परिवार ने सोमवार को मिशेल का रिपोर्ट जारी किया, जिसके बाद वकीलों ने जेल अधिकारियों से इसकी जिम्मेदारी लेने की मांग की।

प्रसिद्ध नागरिक अधिकार वकील बेन क्रम्प ने कहा- ÷93 दिन से बीमार नागरिक को जेल अधिकारियों ने नजरअंदाज किया, जिससे यह साफ है कि यह कोई प्राकृतिक मौत नहीं बल्कि मानव हत्या है।÷

थॉम्पसन बेखर था, जिसे 12 जून 2022 को अटलांटा चाइल्डकेयर सेंटर के बाहर एक पार्क में सोते हुए गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ चोरी का वारंट था, लेकिन कानून प्रवर्तन अधिकारियों के ऊपर थूकने और उनपर हमला करने के लिए उसे जेल में डाल दिया गया था।

थॉम्पसन के पास जमानत का भुकतान करने के लिए पैसे नहीं थे, जिस वजह से उसे जेल में रहना पड़ा। जेल में पहले दो महीने उसकी स्थिति ठीक थी। जेल में मानसिक स्वास्थ्य प्रदत्ता ने 27 जुलाई को उन्हें एक स्वच्छ कक्ष में स्वस्थ रहने और सिजोअफेक्टिव के लक्षणों की सूचना दी थी।

मिशेल ने बताया अगले 43 दिन में उसकी बहुत कम देखभाल की गई थी और 11 अगस्त से उसके मरने तक उसके दवाई देने का कोई रिकॉर्ड दर्ज नहीं किया गया था।

उसके मरने के एक दिन बाद जब मिशेल ने मृत शरीर की जांच की तो उसने शव को कुपोषित और सिजोफ्रेनिया का शिकार पाया। उसका 18 फीसदी वजह घट गया था और उसके शरीर में जूं भी पाया गया।

# बखमुत में रूस-यूक्रेन के कब्जों का दावा कितना सच,शराब के लिए मशहूर रहा शहर कैसे बना खंडहर?

**नई दिल्ली,23 मई 2023।** रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को 15 महीने से ज्यादा समय हो चुका है। रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर कब्जा कर लिया है तो यूक्रेनी सेना ने भी कड़ा पलटवार किया है। इस बीच यूक्रेन ने रूसी सेना के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि मॉस्को ने पूर्वी यूक्रेनी शहर बखमुत पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। यूक्रेन ने कहा कि लड़ाई अभी जारी है और हमारे सैनिक लड़ रहे हैं।

### अचानक क्यों चर्चा में आया बखमुत?

दरअसल, खूबसूरत शहर की बर्बादी का जिक्र यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने जी-7 की बैठक में अपनी टिप्पणियों में भी किया था। रविवार को जी7 सम्मेलन में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था कि हिरोशिमा की तस्वीरों ने उन्हें बखमुत की याद दिला दी। आगे कहा कि मैं आपको खुले तौर पर बताऊंगा, बर्बाद हिरोशिमा की तस्वीरें मुझे बखमुत और इसी तरह की अन्य बस्तियों की याद दिलाती हैं। वहां कुछ भी जीवित नहीं बचा, सभी इमारतें बर्बाद हो गई हैं। इस दौरान जेलेंस्की ने हिरोशिमा में हुए नरसंहार की तुलना बखमुत में रूसी सेना द्वारा किए हमलों से की।

### बखमुत के नियंत्रण पर किसके क्या दावे हैं?

यूक्रेन के उप रक्षामंत्री हन्ना मालियार ने सोमवार को कहा था कि बखमुत के दक्षिण-पश्चिम में कुछ इमारतों पर अभी भी यूक्रेनी सेना का नियंत्रण है। मलियार ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन की सेना शहर के किनारों पर आगे बढ़ रही थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में कुछ औद्योगिक केंद्रों और निजी घरों के क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखा है, जहां विमान स्मारक है। मिग-17 का स्मारक बखमुत के दक्षिण-पश्चिम में दरुजबा स्क्वायर में है। आज भी शहर के इस छोटे से हिस्से पर हमारा नियंत्रण है। लड़ाई जारी है।

इससे पहले जापान में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में जेलेंस्की ने कहा था कि हम आगे बढ़ रहे हैं, हम लड़ रहे हैं। हालांकि, रूस के दावे ठीक इसके विपरीत रहे। रूस की निजी सेना 'वैगनर' के प्रमुख येवगेनी प्रिगोजिन ने शनिवार को महीनों की भयंकर लड़ाई के बाद बखमुत पर कब्जा करने का दावा किया था। साथ ही उन्होंने कहा था कि वैगनर इसे मई के अंत में रूस को सौंप देंगी।

पूर्वी यूक्रेन में कब्जे के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैगनर और रूसी सैनिकों की टीमों को बधाई दी। क्रेमलिन के प्रेस कार्यालय ने एक बयान में कहा कि व्लादिमीर पुतिन वैगनर हमले टीमों के साथ-साथ सभी रूसी सैनिकों को बधाई देते हैं, जिन्होंने आवश्यक सहायता प्रदान की। बयान में कहा गया है कि हर कोई, जिसने लड़ाई में खुद को सामने किया है, उसको सम्मानित करने के लिए सिफारिश की जाएगी।

### कितना अहम है बखमुत शहर?

बखमुत लुहांस्क क्षेत्र से लगभग 13 मील की दूरी पर डोनेट्स्क क्षेत्र के पूर्वोत्तर की ओर स्थित है। यह शहर लंबे समय से रूसी सेना के लिए एक टारगेट रहा है। यहां पिछली गर्मियों के बाद से रूस और यूक्रेन की सेनाओं के बीच युद्ध चल रहा है।

पूरे डोनबास की बात करें तो यह यूक्रेन के पूर्व में स्थित औद्योगिक क्षेत्र है जिसमें लुहांस्क और डोनेत्स्क आते हैं। यह इलाका पिछले वसंत के बाद से रूसी सेना का प्राथमिक लक्ष्य रहा है। यहां युद्ध की तुलना प्रथम विश्व युद्ध में देखी गई लड़ाई से की गई। इस बीच रूसी सेना ने कई महीनों तक बखमुत में धीरे-धीरे सड़क-दर-सड़क पर आगे बढ़ना जारी रखा है। बीते दो हफ्तों में यूक्रेनी सेना शहर के उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में रूसी सैनिकों द्वारा नियंत्रित क्षेत्र के छोटे इलाकों पर दोबारा कब्जा करने में कामयाब रही है। वैगनर समर्थित रूसी सेना ने शहर पर कब्जा करने की कोशिश में नुकसान उठाया है। इस साल की शुरुआत में नाटो के एक सूत्र ने बताया कि उनका अनुमान है कि बखमुत की रक्षा में पांच रूसी सैनिक मारे गए।

### कैसे बढ़ी बखमुत की लड़ाई?

2023 के शुरुआत में रूसी सेना ने बखमुत में जाने वाले मार्गों पर धीरे-धीरे कब्जा किया। बाद में शहर की लड़ाई इंच-दर-इंच टुकड़ों में बदल गई, जिसके लिए यूक्रेनी सेना हर दिन दर्जनों हमले कर रही थी। पश्चिम की ओर केवल दो सड़कें रूसी नियंत्रण से बाहर हैं। उधर शहर को दोबारा वापस लेने की कोशिश कर रहे यूक्रेनी बलों के लिए ये कदम घातक साबित हुए। इससे पहले कि वे शहर के मध्य से होते हुए अपना दावा करते वैगनर सैनिकों ने पहले ही उत्तर से शहर को घेर लिया।

जनवरी में वैगनर ने पास के शहर सोलेदार पर दावा किया और बाद में बखमुत के उत्तर में कई गांवों को अपने कब्जे में ले लिया। इन कार्रवाइयों से यूक्रेन के इस शहर की लड़ाई तेजी से खतरनाक हो गई, लेकिन जब मॉस्को की सेना सीमित हो गई और अधिकांश निवासी भाग गए, तब भी यूक्रेनी नागरिकों का एक छोटा समूह खंडहर बन चुके शहर में रहा। कभी शराब की ब्रांड के लिए मशहूर रहे शहर में युद्ध से पहले लगभग 70,000 लोग रहते थे। इस साल मार्च तक, शहर की आबादी घटकर 4,000 आ गई। अब शहर का अधिकांश हिस्सा मलबे में तब्दील हो चुका है।

# गौठानों में गौ वंश का नहीं कोई नामो निशान,समूह की महिलाओं को महीनों से नहीं मिला मेहनताना : भाजपा

» गौठान के नाम पर भूपेश सरकार ने किया बड़ा घोटाला:सौभाग्यवती सिंह

» चलबो गौठान-खोलबो पोल महा अभियान अंतर्गत जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल के नेतृत्व भाजपाई पहुंचे जिले के गौठानों तक

» गोबर खरीदी के नाम पर भोले भाले ग्रामीण ठगा महसूस कर रहे,छत्तीसगढ़ में लालू के चारे से भी बड़ा घोटाला गौठान

» जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने खड़गवां ब्लॉक का तो जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने बचरापोड़ी गौठानों का दौरा किया शुरू





- रवि सिंह -
कोरिया/एमसीबी,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

कांग्रेस सरकार सत्ता में आते ही जिस योजना को सबसे पहले प्राथमिकता दी और लागू किया उसी योजना पर विपक्षी पार्टी भाजपा भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है, पूरे प्रदेश में भाजपा गौठानो का निरीक्षण कर उसके भ्रष्टाचार को उजागर करने का काम कर रही है, हर घोटालों में प्रदेश स्तर पर जारी हुए निर्देशों के तहत भाजपाई पहुंच रहे हैं और कमियों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित कर के वर्तमान सरकार के गौठान योजना को सबसे बड़ा भ्रष्टाचार योजना बता रहे, इसी कड़ी में अविभाजित कोरिया के तीनों विधानसभा में गौठानों में भाजपाई पहुंचकर का निरीक्षण कर रहे हैं कहीं पर भाजपाइयों को सफलता मिल रही है तो कहीं भाजपाइयों के खिलाफ शिकायत भी हो रही है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की महत्वकांक्षी योजना गौठान को लेकर इन दिनों पूरे प्रदेश में सियासत गर्म चल रही हैं जहां एक तरफ विधानसभा चुनाव की रणभूमि सज रही है और चुनावी बिगुल भी बज रहा है ऐसे में छत्तीसगढ़ प्रदेश में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी दोबारा प्रदेश के सता में अपना कब्जा बनाने के लिए प्रदेश की जनता को अनेक योजनाओं और जनहितेसी कार्यो को लेकर अपनी ताल ठोक रही हैं वहीं दूसरी ओर विपक्ष में बैठे भारतीय जनता पार्टी खोई हुई सता वापस लाने के लिए हर एक स्तर पर भूपेश बघेल सरकार की नाकामियों को प्रदेश की जनता के सामने लाने का बीड़ा उठा ली हैं।

## चलबो गौठान-खोलबो पोल कार्यक्रम की जानकारी भूपेश बघेल जैसे हुई वैसे ही सभी गौठान में अधिकारी व कर्मचारियों की डियूटी लगा दिए

जिले में भारतीय जनता पार्टी के चलबो गौठान-खलबो पोल महा अभियान प्रारंभ हो गया है। इसी क्रम में बचरापोड़ी मंडल के ग्राम टेडमा, गेजी, तोलगा, बडे कलुआ, मुगुम, बारी गौठानों का निरीक्षण करने भाजपाई पहुचे थे जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि, जैसे ही भाजपा कार्यकर्ताओं का चलबो गौठान-खोलबो पोल कार्यक्रम की जानकारी भूपेश बघेल को हुआ और उन्हांने ने सभी गौठान में अधिकारी व कर्मचारियों का डिप्टी लगा दिए एवं मजदूर लगाकर लीपा-पोती का करवाने में लग गए है इससे स्पष्ट होता है कि, भूपेश सरकार करोड़ों रूपए का भष्ट्राचार कर क्षेत्र के विकास कार्य में बाधा पहुँचाया है। जिलाध्यक्ष श्री जायसवाल ने कहा कि, कांग्रेस सरकार गौठान को भष्ट्राचार का अड्डा बना रखा है, प्रदेश सरकार ग्राम पंचायत के सरपंचो एवं ग्रामीणों का शोषण कर रही है, साथ ही महिला स्व सहायता समूहों को कार्य का भुगतान, निर्माण कार्यो सहित अपने वायदे को पूरा करने में पूरी तरह से विफल हो रही है ज्यादातर गौठानों में मवेशियों के चारा-पानी की व्यवस्था नही, गौठानों में ताला लटका है।

## सिर्फ और सिर्फ गौठानों में भष्टाचार का पूरा खेला हुआ,वहा नियुक्त कर्मचारी डर से कुछ बोल नहीं पा रहे

रेणुका सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष जिला कोरिया ने चलो गौठान, खोलबो पोल के तहत गौठान आमानाला, गोकुल नगर, छोटी बाजार का निरक्षण किया। जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह निरक्षण के दौरान बताया की भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पूरे प्रदेश में पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों को प्रत्येक गौठानो में चलबो गौठान खोलबो पोल के तहत गौठान में पहुंच कर ग्रामीण जनता के साथ कई बिंदूओ पर गौठान की पोल खोल रहे है। केंद्र के पैसा का कन्वर्जन कर गौठान जैसे विफल योजना में भरपूर पैसा का भष्टाचार कर एक एक गौठान में 19 लाख लाख रुपए खर्च किया गया है और जब ग्रामीण जनता के सामने पोल खोला गया तो ना काम धरातल पर है और न ही गायो के लिए चारा, पानी कुछ भी नही है। सिर्फ और सिर्फ गौठानों में भष्टाचार का पूरा खेला हुआ है। वहा नियुक्त कर्मचारी डर से कुछ बोल नहीं पा रहे है।

## आबंटित कर सरपंचो एवं सचिवों को डरा-धमका कर गौठान के नाम पर करोड़ो रूपए का भष्टाचार किया गया

सरगुजा संभागीय संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, प्रदेश की कांग्रेस सरकार हजारो करोड़ रूपये का बजट गौठान योजना के लिए आबंटित कर सरपंचो एवं सचिवों को डरा-धमका कर गौठान के नाम पर करोड़ो रूपए का भष्ट्राचार किया गया है जिससे ग्राम का विकास कार्य ठप पड़ा है, श्री तिवारी ने कहा कि, एक तरफ गांवो के साथ अन्याय हुआ वही दूसरी तरफ गौठान और गोबर खरीद के नाम पर आबंटित करोड़ो का बंटर बांट कर लिया गया। गौठानों के दौरा करने के दौरान गौठान में न तो गाय है न ही गोबर खरीद कर कंपोस्ट खाद बनाने जैसी कोई कार्य नजर आया कांग्रेस सरकार हर स्तर पर भष्ट्राचार करने का नया रिकार्ड बना रहा है, आने वाले समय में भाजपा कार्यकर्ताओं के मेहनत से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएगें।

## प्रत्येक गौठानों पर निरक्षण के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर पुरे प्रदेश भर में भूपेश सरकार के सबसे बड़ी योजना गौठान का हकिकत जानने के लिए मण्डल स्तर के प्रत्येक गौठानों पर निरक्षण के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जहां 20 मई से प्रभारियों का भाजपा के चलबो गौठान खोलबो पोल अभियान के तहत गौठानो में पहुंच कर आईना दिखा कर कांग्रेस सरकार के योजना की पोल खोल कर इस योजना में भष्ट्राचार का बड़ा आरोप लगा रहे है, इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के निर्देश पर सोनहत मण्डल की प्रभारी बैकुंठपुर जपं अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह खुसरो आज सोनहत के गौठान पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ भारी संख्या में पहुंची। अब बीजेपी ने गौठान जाने और वहां की असल सच्चाई सामने लाने का फैसला किया है, पिछले कई महीनों से सीएम भूपेश बघेल समेत अन्य कांग्रेसी नेता गोठान की तारीफ करते पाए जाते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि आधे से ज्यादा गौठानों में गाय नहीं है।

## गोठान में मनरेगा, डीएमएफ, रुर्बन,14 वां 15 वें वित्त की राशि का उपयोग किया गया है

बैकुण्ठपुर जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती ने बताया कि आज सोनहत के कटगोड़ी, घुघरा पुसला, कुसहा, बोड़ार, ओदारी, भैसवार, रजौली के गोठान का भाजपा पदाधिकारियों के निरक्षण किया और कहा की पिछले साढ़े चार साल में घोटालों की वजह से भूपेल बघेल सरकार में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं, गोठान निर्माण में अधिकांश तौर पर केंद्र सरकार की योजनाओं की राशि खर्च की गई है. गोठान में मनरेगा, डीएमएफ, रुर्बन,14 वां 15 वें वित्त की राशि का उपयोग किया गया है, वास्तव में सरकार ने शासकीय पैसे का गौठान माडल बताकर बड़ा भष्टाचार किया है, अधिकांश गौठान में पानी नहीं है जबकि लाखों के बोरिंग कराये गए हैं. गौठानो में निर्मित कम्पोस्ट खाद निम्न स्तर के है जिसमें गोबर की मात्रा नहीं के बराबर है तथा रेत व मिट्ठी की मात्रा अधिक है, समूह की महिलाओं ने बताया कि खाद् की राशि का भुगतान भी नहीं मिला है, ग्रामीणों ने बताया कि उनके द्वारा गोबर की ब्रिक्री की गई है लेकिन सालों से उसका भुगतान नहीं हुआ है, भ्रमण के दौरान कई गौठाने तालाबंद मिले जहां न कोई मवेशी था न कोई मजदूर गौठानो में सरकार के योजना मूताबिक रखरखाव हेतु प्रति माह दस हजार की राशि भेजी जाती है लेकिन गौठानो में ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला जिन गौठानो को भूपेश सरकार ने भारी भरकम राशि खर्च कर बनवाया और छत्तीसगढ़ माडल बताया है।

# सीएसीपीई चैप्टर अम्बिकापुर के द्वारा विस्तृत कार्यशाला का आयोजन किया गया

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़, 23 मई 2023 (घटती-घटना)।

सीएसीपीई चैप्टर अम्बिकापुर के द्वारा शासन द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी, नए स्टार्टअप्स को मिलने वाला प्रोत्साहन एवं पिछडे क्षेत्रों के विकास के लिए दिए जाने वाले अनुदान पर एक विस्तृत कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिला उद्योग व्यापार केंद्र के महाप्रबंधक मितवा बड़ा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल मैनेजर अमित महतो, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य ब्रांच के मैनेजर प्रियेश गौतम एवं उद्योग विभाग प्रबंधक विश्वजीत सिंह, सूरजपुर के प्रबंधक एन. एस. खुश राम, अवधेश कुशवाहा समेत काफी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स मौजूद थे है।

कार्यशाला के स्पीकर सी ए अरिहंत कुमार बोथरा ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पी एम ई जी पी (15 प्रतिशत-35 प्रतिशत अनुदान), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना पी एम एफ एम ई (35 प्रतिशत अनुदान), मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना (10 प्रतिशत-25 प्रतिशत अनुदान) , छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2019 24 ( 35 से 120 रू. लाख तक अनुदान), लॉजिस्टिक पॉलिसी 2022 मैं गोदाम, लॉजिस्टिक यूनिट, कोल्ड स्टोर की स्थापना पर ( 40 से 350 लाख रू. तक अनुदान) महिला उद्यमिता नीति 2019 ( 35 से 120 लाख रू. तक अनुदान) आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । मंचासीन बैंक एवम् उद्योग विभाग के अधिकारियों द्वारा भी सब्सिडी एवं लोन के संबंध में आने वाले समस्याओ एवम् उनके समाधान के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के सेशन चेयरमैन सी ए संतोष सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत ज्ञापन किया एवम् अंबिकापुर सीपीई चैप्टर के बारे मे संक्षिप्त जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर नव नियुक्त संयोजक सीए हिमांशु अग्रवाल एवम सह संयोजक सीए विजय अग्रवाल ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

# कर्क रेखा और भारतीय मानक रेखा के संगम से कोरिया की होगी नई पहचान

» कोरिया जिले के सोनहत में स्थित पण्डोपारा में कर्क रेखा और भारतीय मानक रेखा का इकलौता संगम

» भारतवर्ष का एक मात्र स्थान जहाँ इन दोनों रेखाओं का हुआ मिलन

» कोरिया जिला व सोनहत क्षेत्र के लिए गौरव का विषय

- संवाददाता -
कोरिया सोनहत 23 मई 2023 (घटती-घटना)।

विश्व के भौगोलिक मानचित्र ग्लोब में काल्पनिक रूप से बगैर दृष्टिगोचर होने वाली रेखाओं के संबंध में काफी उल्लेख है और इन माध्यमों से भूगोल एवं भूगोल विषय की काफी कल्पनाएं की जाती हैं। हमारे भारत देश से भी कल्पित रेखा को गुजरता हुआ माना गया है। भारत देश में देशांतर रेखाएं और कर्क रेखा को कल्पित रूप में गुजरती माना गया है। 82.5 उत्तर पूर्व देशांतर तथा 23.23कर्क रेखा छत्तीसगढ़ राज्य से गुजरती हैं।

सौभाग्य की बात यह है कि यह दोनों रेखाएं हमारे विकास खंड के मुख्यालय से गुजरती हुए सोनहत को भोगोलिक नक्शे के क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान दिलवाती है। सोने पे सुहागा वाली बात ये है की भारतीय मानक समय रेखा 82.3 तीन एवं कर्क रेखा 23.5 दोनों का संगम स्थल भी नगरी के पास मुख्यालय से मात्र 2 किलोमीटर पश्चिम में पंडो पारा स्थित है जो अपने गर्भ में देवी धाम नाम से प्रसिद्ध देवी के मंदिर हेतु अत्यंत प्रमुखता से जाना जाता है। यही मां देवी धाम के मंदिर से उत्तर पूर्व की दिशा में लगभग 800 से 1000 मीटर की दूरी पर इन दोनों रेखाओं का मिलन बिंदु है । जहां पर बिलकुल आसानी से मां भगवती के मंदिर तक दुपहिया वाहन से पहुंचकर शेष दूरी पैदल पहाड़ी रास्तों से गुजर कर तय की जा सकती है ।एवं इस स्थान पर जाकर इस अद्वितीय भगोलीक स्थिति को जाकर अवलोकित किया जा सकता है। इस क्षेत्र पर प्रकृति ने अपनी अपूर्व सुंदरता उड़ेल रखी है। जहां इस भाग के पश्चिम की ओर घुनघुट्टा बांध 200 मीटर की दूरी पर स्थित है वही पूर्व दक्षिण की ओर लगभग 500 मीटर का डॉउका बुड़ा बांध स्थित है। उत्तर की ओर लगभग 1500 मीटर के आसपास हसदो नदी का उद्गम स्थल एवं बालम गढ़ की पहाड़ियां हैं वही दक्षिण की ओर मां देवी धाम का धाम स्थित है। इस प्रकार से इस मिलन बिंदु एवं चहु ओर परिपूरित प्रकृतिक परिदृश्यों को यहां आकर आसानी से देखा जा सकता है ।यह एक अपने आप में अनुपम स्थान है।भारत देश में देशांतर रेखा 82.5 डिग्री पूर्वी देशांतर देश के 5 राज्यों में उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ उड़ीसा एवं आंध्र प्रदेश से होकर गुजरती है जबकि 23.23 कर्क रेखा भारत के राजस्थान मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ झारखंड पश्चिम बंगाल त्रिपुरा एवं मिजोरम राज्य से होकर गुजरती है।

# अभिवाजित कोरिया में जिस विधायक को कमजोर माना जा रहा था उनकी जीतने की संभावना...जिन्हें मजबूत माना जा रहा था उनके हार ने की संभावना:वायरल सर्वेक्षण सूची

» वायरल सर्वेक्षण सूची अनुसार छत्तीसगढ़ विधायकों की जमीनी हकीकत आई सामने,सत्ताधारी दल के अधिकांश विधायक चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं

» अविभाजित कोरिया जिले के भी दो विधायक जमीनी स्थिति ठीक नहीं,चुनाव हारने की आ सकती है नौबत

» क्या हारने की संभावना वाले विधायकों को सत्ताधारी दल देगी टिकट,या बदले जाएंगे प्रत्याशी ?

» भरतपुर सोनहत विधायक का रिपोर्ट कार्ड सबसे खराब,मनेंद्रगढ़ विधायक टक्कर की स्थिति में

» बैकुंठपुर विधायक को बताया गया है जीतने योग्य प्रत्याशी,राजपरिवार का होना विधायक के लिए बताया गया है फायदेमंद





विधानसभा की वर्तमान स्थिति

| जिला | क्र. | विधानसभा क्षेत्र | विधायक का नाम | पार्टी | वर्तमान स्थिति | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कोरिया | 1 | भरतपुर–सोनहत | गुलाब कमरो | कांग्रेस | हार | जनाधार मजबूत नहीं है। क्षेत्र में भ्रमण, विकास कार्य जैसे कोई कार्य नहीं किये है। को प्रत्याशी बदलना पड़ेगा। |
| | 2 | मनेन्द्रगढ़ | डॉ0 विनय जायसवाल | कांग्रेस | टक्कर | पूर्व की अपेक्षा जनाधार कमजोर हुआ है। टक्कर की स्थिति में जीत भी सकते हैं और हार भी सकते है। कांग्रेस को प्रत्याशी बदल देना लाभकारी है। |
| | 3 | बैकुंठपुर | अंबिका सिंहदेव | कांग्रेस | जीत | राजपरिवार से है इनका क्षेत्र में पकड़ व प्रभाव मजबूत है। जीतने की स्थिति है। |
| सूरजपुर | 4 | प्रेमनगर | खेलसाई सिंह | कांग्रेस | हार | विकास कार्य नहीं करवाने, भ्रमण नहीं करने से काफी नाराजगी है। जीतने की स्थिति नहीं है। कांग्रेस को प्रत्याशी बदलना पड़ेगा। |
| | 5 | भटगांव | पारसनाथ राजवाड़े | कांग्रेस | हार | कोई विकास कार्य नहीं करवाने से जनता नाराज है। ये व्यवहारकुशल नहीं है। तानाशाही रवैया है। कांग्रेस को प्रत्याशी बदलना पड़ेगा। |
| | 6 | प्रतापपुर | डॉ0 प्रेमसाय सिंह टेकाम | कांग्रेस | हार | इन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते है। मंत्री पद पर ट्रांसफर, पोस्टिंग के नाम पर पैसा लेने से जनता में नाराजगी है। इनको जनता पसंद नहीं कर रही है। हारने की पूर्ण संभावना है। |

- रवि सिंह -
कोरिया/एमसीबी,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में सभी विधायकों का रिपोर्ट कार्ड सामने आया है जिसमे सत्ताधारी दल के अधिकांश विधायकों का आगामी चुनाव में प्रदर्शन कैसा रहेगा इसका उल्लेख किया गया है, छत्तीसगढ़ में वैसे तो यह सर्वेक्षण सभी विधायकों के लिए किया गया है लेकिन इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह देखा जा रहा है की सत्ताधारी दल के अधिकांश विधायक इस सर्वेक्षण के अनुसार अच्छी स्थिति में नहीं हैं और चुनाव हार सकते हैं जो सत्ताधारी दल के लिए चिंता का विषय है। सर्वेक्षण किसने किया है और इसमें कितनी सच्चाई है इसकी पुष्टि तो घटती-घटना नहीं करता लेकिन सत्ताधारी दल के अधिकांश मंत्री भी चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं हैं यह सर्वेक्षण में साफ तौर पर बताया गया है। सरगुजा संभाग की स्थिति सबसे खराब है सत्ताधारी दल के हिसाब से साथ ही वर्तमान विधायकों के हिसाब से संभाग के तीन विधायक साथ ही कैबिनेट मंत्रियों में से केवल एक के चुनाव जीतने की उम्मीद सर्वेक्षण में बताई गई है वहीं सभी विधायकों की स्थिति यदि सर्वेक्षण को सही माना जाए तो कुल तीन ही विधायक संभाग से चुनाव जीतने की स्थिति में हैं शेष के चुनाव हारने की प्रबल संभावना सर्वेक्षण में बताई गई है।

## अविभाजित कोरिया जिले के भरतपुर सोनहत विधायक को सबसे कमजोर स्थिति में बताया गया है सर्वेक्षण में

सर्वेक्षण की माने तो अविभाजित कोरिया जिले के भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरों को सबसे कमजोर स्थिति में माना गया है। सर्वेक्षण में बताया गया है की भरतपुर सोनहत विधायक चुनाव हार सकते हैं। क्षेत्र में जनाधार नहीं है विकास कार्य संपन्न नहीं हुए हैं और विधायक का क्षेत्र में भ्रमण भी कमजोर है इसलिए विधायक बदलना पड़ेगा यह सर्वेक्षण में बताया गया है। वैसे यह बात हकीकत भी मानी जा सकती है,भरतपुर सोनहत विधायक के साथ रहने वालों ने उनका जनाधार कमजोर किया है यह सच्चाई भी है,भरतपुर कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष ही इसके जीता जागता उदाहरण हैं जो विधायक के साथ हर पल रहते हैं और उनके ऊपर गंभीर अपराधिक मामला दर्ज है जिसमे वह जमानत पर हैं वहीं उनके पुत्र को भी युवक की हत्या मामले में जेल हुई है,वहीं सोनहत क्षेत्र में भी उनके खास सिपहसालार केवल ठेकेदारी में व्यस्त हैं जनाधार कैसे बढ़ सकता है यह बात किसी विधायक समर्थक की जेहन में नहीं है इसीलिए उनकी यह स्थिति है जो उनके लिए कठिनाई का सबब है।

## मनेंद्रगढ़ विधायक की स्थिति जीत और हार के बीच टक्कर की बताई गई है सर्वेक्षण में

मनेंद्रगढ़ विधायक की स्थिति सर्वेक्षण में हार और जीत के बीच टक्कर की बताई गई है। जनाधार पहले से कमजोर हुआ है यह सर्वेक्षण में बताया गया है और प्रत्याशी बदलने की बात की गई है। मनेंद्रगढ़ विधायक जिनकी पत्नी भी महापौर हैं की यह स्थिति जो सर्वेक्षण में है वह चिंताजनक है क्योंकि मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए उनके पास दो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जिससे वह मतदाताओं को अपने पक्ष में ला सकें और उसके बावजूद उनकी स्थिति टक्कर वाली बताई गई है जो उनके कार्य को लेकर सवाल खड़े करती है। वैसे मनेंद्रगढ़ विधायक वर्तमान में नाचा दलों के साथ क्षेत्र में अपने पक्ष में माहौल बनाने में लगे हुए हैं लेकिन अंतिम समय में चुनाव के बिल्कुल समीप उन्हे इसमें कितनी मदद मिलेगी यह भविष्य में ही तय हो सकेगा लेकिन फिलहाल सर्वेक्षण में टिकट बदलने पर सत्ताधारी दल को फायदा होगा यह बताया गया है। मनेंद्रगढ़ विधायक वैसे भी कांग्रेस के पुराने साथ ही वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को किनारे लगाने में ही ज्यादा समय व्यतीत किए हैं और क्षेत्र के अधिकांश वरिष्ठ कांग्रेसी विधायक से काफी दूरी बना चुके हैं जो भी विधायक के लिए शुभ संकेत नहीं है।

## जिस विधायक को माना जा रहा यह सबसे कमजोर उन्हीं की जीतने की संभावना ज्यादा

अविभाजित कोरिया के विधानसभा क्रमांक 3 बैकुंठपुर के विधायक को अभी तक सबसे कमजोर आंका जा रहा था पर वायरल सर्वेक्षण सूची के अनुसार यही सबसे मजबूत मानी गई जिनकी जीतने की संभावना जताई जा रही है पर यह जीत किन परिस्थितियों में होगी इसका पता नहीं, अविभाजित कोरिया जिले में सबसे मजबूत स्थिति में बैकुंठपुर विधायक को बताया गया है। बैकुंठपुर विधायक चुनाव जीत सकती हैं यह सर्वेक्षण में दावा किया गया है। राजपरिवार का होने के नाते उन्हें चुनाव में जीत मिल सकती है यह सर्वेक्षण में कहा गया है। क्षेत्र में पकड़ और प्रभाव मजबूत है यह सर्वेक्षण में कहा गया है। कुल मिलाकर अविभाजित कोरिया जिले का सबसे मजबूत प्रत्याशी बैकुंठपुर को बताया गया है जो बैकुंठपुर विधायक के लिए अच्छी खबर है साथ ही उनके समर्थकों के लिये भी सुखद खबर है।

अविभाजित कोरिया के तीन विधायकों में से जिस विधायक की स्थिति मानी जा रही थी मजबूत उसे ही वायरल सर्वेक्षण में बताया सबसे कमजोर प्रत्याशी-अविभाजित कोरिया जिले में अब तक सबसे मजबूत और सबसे ज्यादा जनाधार वाला विधायक क्षेत्र में लोकप्रिय विधायक भरतपुर सोनहत को माना जा रहा था और यह माना जा रहा था की उनकी स्थिति सबसे मजबूत है लेकिन वायरल सर्वेक्षण में भरतपुर सोनहत विधायक की स्थिति सबसे कमजोर बताई गई है और उन्हे चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं माना गया है वहीं जिन दो अन्य जिले के विधायकों की स्थिति सबसे खराब मानी जा रही थी वायरल सर्वेक्षण में उनमें से एक को जीतने योग्य साथ ही एक को टक्कर में बताया गया है जो उनके लिए सुखद खबर है।

# मुख्यमंत्री बघेल ने ग्राम कुदमुरा क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों से भेंट मुलाकात कर दीं अनेक सौगातें

- संवाददाता -
कोरबा,23 मई 2023
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशव्यापी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत रामपुर विधानसभा के ग्राम कुदमुरा में क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों की मांग पर अनेक घोषणाएं की। सामाजिक संगठनों के भेंट मुलाकात में राठिया समाज के सरवन सिंह राठिया ने ग्राम छातापाठ में 05 एकड़ भूमि सामुदायिक भवन के लिए मांग की। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री द्वारा करतला में सोसायटी की मांग को पूर्व में पूरा किए जाने पर धन्यवाद दिया। राठिया समाज ने ग्राम पीडिया में कक्षा दसवीं तक संचालित हाईस्कूल को हायर सेकण्डरी में उन्नयन की मांग भी की। मुख्यमंत्री ने जमीन की रजिस्ट्री कराये जाने के बाद भवन हेतु राशि देने की बात कही। गोस्वामी समाज के अध्यक्ष घासीगिरी गोस्वामी ने अपने समाज के लोगों के साथ मुख्यमंत्री से भवन हेतु राशि की मांग की। मुख्यमंत्री ने गोस्वामी समाज के पास जमीन उपलब्ध होने पर 15 लाख की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में राजवाड़े कुर्मी क्षत्री समाज द्वारा कनकी को पर्यटन क्षेत्र बनाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही इन्होंने महाविद्यालय की मांग ग्राम कनकी में की। सामाजिक भवन के लिए मुख्यमंत्री ने भवन हेतु 25 लाख देने की बात कही। साहू समाज ने ग्राम सेन्द्रीपाली में भवन हेतु राशि मांग की। मुख्यमंत्री ने जमीन की रजिस्ट्री कराये जाने के बाद भवन हेतु राशि देने की बात कही। राठिया समाज ने कोरबा में 20 लाख की राशि भवन हेतु देने पर धन्यवाद दिया।

राठिया समाज ने सर्वसुविधायुक्त भवन की मांग और ठाकुरदेव के संरक्षण की मांग भी की। मुख्यमंत्री ने समाज को बताया कि अभी नए देवगुड़ी की घोषणाएं हुई है। बैगा गुनिया को भी वार्षिक राशि दी जाती है। इसका आवेदन अवश्य कराएं। सर्व यादव समाज ने करतला क्षेत्र में सामुदायिक भवन की मांग की। यादव समाज ने गौठान में समिति में यादव समाज को पदासीन किया जाए। मुख्यमंत्री ने समिति में एक सदस्य को समाज को देने की बात कही। मानिकपुरी पनिका समाज ने ग्राम कनकी में नूतन राजवाड़े व्यक्ति द्वारा अनेक समाज की जमीन को अतिक्रमण किये जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जांच कर कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर को दिए। राठौर समाज ने समाज, मुस्लिम समाज ने सामुदायिक भवन की मांग की। मुख्यमंत्री ने जमीन की रजिस्ट्री कराये जाने के बाद भवन हेतु राशि देने की बात कही। सतनामी समाज गुरु गद्दी पताढ़ी ने मुख्यमंत्री को 2024 में आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। खैरवार समाज, सर्व ब्राह्मण समाज और बिझंवार समाज ने भवन की मांग की तो मुख्यमंत्री ने जमीन की रजिस्ट्री कराये जाने के बाद भवन हेतु राशि देने की बात कही। कँवर समाज ने भवन की मांग की और समाज के नाम पर जमीन उपलब्ध होने की जानकारी दी तो मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 50 लाख की राशि देने की बात कही। सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरण दास महंत, जिले के प्रभारी मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत, विधायक पुरुषोत्तम कंवर, मोहित राम केरकेट्टा, ननकीराम कंवर, लोक निर्माण,जनसम्पर्क विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संभाग आयुक्त डॉ संजय अलंग, पुलिस महानिरीक्षक बी एन मीणा, कलेक्टर संजीव कुमार झा, पुलिस अधीक्षक उदय किरण आदि उपस्थित थे।

## प्रेमिका के घर के सामने मिली युवक की रक्तरंजित लाश जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
कोरबा,23 मई 2023 (घटती-घटना)।

कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत छुरी बस्ती में एक युवक की रक्तरंजित लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवक के सिर पर धारदार हथियार से वार कर मौत के घाट उतार दिया गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां जांच कार्रवाई शुरू की गई है । मृतक 36 वर्षीय सुभाष देवांगन छुरी बस्ती का रहने वाला है। देर रात वो बस्ती में रहने वाली महिला से मिलने आया हुआ था इसके बाद उसकी लाश उसके घर के पास मैदान पर रक्तरंजित मिली। घटना की सूचना पर कटघोरा थाना प्रभारी अश्वनी राठौर टीम के साथ मौके पर पहुंचे जहां जांच कार्यवाही शुरू की। घटनास्थल कि कुछ ही दूरी पर युवक का बाइक मिला है जिसका प्लग निकला हुआ था वही पास ही पेट्रोल से भरे एक बोतल बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा महिला से पूछताछ की जहां बताया जा रहा है कि महिला से मिलने के लिए युवक आया हुआ था लेकिन उसकी हत्या कब कैसे और किन परिस्थितियों में हुई यह उसके भी समझ से परे है। बताया जा रहा मामला त्रिकोणीय प्रेम संबंध के कारण युवक की हत्या हुई होगी । घटना की सूचना मिलते ही कटघोरा थाना प्रभारी अश्वनी राठौर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे जहां जांच कार्यवाही शुरू की गई है। घटनास्थल से पुलिस ने धारदार हथियार बरामद किया साथ ही घटनास्थल पर डॉग स्क्वाड और बिलासपुर से पहुंची फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौजूद है। पुलिस द्वारा हत्या के कारणों की बारीकी से जांच की जा रही जिससे जल्द आरोपी को गिरफ्तार किया जा सके।

## सूरजपुर पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने तथा यातायात नियमों का उल्लघंन करने वालों पर लगाम कसने के लिए चलाया अभियान

- संवाददाता -
सूरजपुर, 23 मई 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) व पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने जिले के थाना-चौकी की पुलिस को शराब पीकर वाहन चलाने वालों तथा यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले लोगों के विरूद्ध एमव्ही एक्ट के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार को करीब 2000 लोगों के वाहनों को चेक किया गया। इस दौरान पुलिस ने छोटे-बड़े सभी वाहनों को रोकवाकर वाहन चालक शराब का सेवन किए है या नहीं उसकी जांच किया गया, जांच के दौरान कोई भी वाहन चालक शराब के नशे में नहीं पाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में सड़क हादसों को रोकने की दिशा में पुलिस अधिकारियों के द्वारा किए गए इस चेकिंग अभियान में 173 वाहन चालक जो बिना हेलमेट, बिना लायसेंस, बिना सीटबेल्ड, दो पहिया वाहन में तीन सवारी व बिना दस्तावेज एवं यातायात नियमों का उल्लघंन करने पर उनके विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कार्यवाही कर 55400 रूपये का समन शूल्क अर्जित कर शासन के कोष में जमा किया है। इस दौरान पुलिस के अधिकारियों ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की समझाईश भी दिया।

**173 वाहन चालकों के विरूद्ध हुई एमव्ही एक्ट की कार्यवाही, 55400 रूपये वसूल की गई समन शुल्क।**

## सरपंच सहित ग्रामीणों ने जनदर्शन में प्राचार्य द्वारा देवस्थल पर किए गए अवैध निर्माण को हटाने की मांग की गई

- संवाददाता -
कोरबा,23 मई 2023
(घटती-घटना)।

कटघोरा स्थित ग्राम सलोरा के हाई स्कूल मैदान पर स्थित देव स्थल पर सरस्वती शिशु मंदिर बिसनपुर की प्राचार्य संतोषी निषाद द्वारा अहाता निर्माण कर अवैध कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में की । शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि प्राचार्य संतोषी निषाद को अस्थाई रूप से स्कूल संचालन के लिए वर्ष 2018 में तत्कालीन सरपंच द्वारा हाईस्कूल सलोरा के पास एक गोदाम भवन को दिया गया था। प्राचार्य द्वारा उक्त और दो शासकीय भवन को स्थाई रूप से कब्जा कर लिया गया है। कब्जा कर स्कूल का संचालन किया जा रहा है साथ ही शासकीय भवनों के विवरण के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण योजना की जानकारी की सूचना पटल को पोतकर अपने विद्यालय का नाम और उसका मोनो लिखवा लिया गया है। प्राचार्य द्वारा पिछले 15-20 दिनों से हाईस्कूल व मीडिल स्कूल सलोरा की भूमि खसरा नंबर 818/1/क की भूमि लगभग 10 डिसमिल को घेरकर स्कूल का अहाता निर्माण किया जा रहा है। उक्त स्थल देव स्थल भी है। इस मामले में बैठक रखकर प्राचार्य को सूचित किया गया है कि उक्त शासकीय भूमि जो कि ग्राम की देव स्थल है, जिसमें पूरे गांव वालों की आस्था जुड़ी हुई है, वहां कब्जा न किया जाए। इसके बाद भी निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उल्टे गांव के योगेश तंवर पंच, नरेश केंवट, जैतराम के खिलाफ कटघोरा थाना में छेडखानी की झूठी शिकायत की गई है। शिकायतकर्ताओं पर दबाव बनाया जा रहा है कि अगर कोई भी उसके खिलाफ शिकायत करता है तो उसे भी झूठे मामले में फंसा देगी। 20 मई को प्राचार्य द्वारा पुनः काम शुरू किए जाने पर उप सरपंच ऋतु केंवट, पंच ईश्वरी देवी, तिर्थ चक्रवर्ती, संतोषी तंवर, मोगरा व गांव के अन्य महिलाएं तथा पंचायत पदाधिकारियों ने निर्माण कार्य बंद करने नोटिस दिया था, नोटिस को भी प्राचार्य ने फाड़ दिया। झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर 01 लाख की मांग की जा रही है। ग्रामीणों ने शिकायत में कहा है कि प्राचार्य संतोषी एक झगड़ालू प्रवृत्ति की महिला है उसके खिलाफ पूर्व में भी धारा 420 का केस भी चल चुका है। ग्रामीणों ने मांग की है कि देव स्थल से कब्जा हटाया जाए।

## निगम द्वारा विवेकानंद उद्यान का बेहतर संचालन के लिए लीज पर देने की तैयारी

- संवाददाता -
कोरबा,23 मई 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा जिला में सबसे पुराने गार्डन में शुमार जिले का विवेकानंद उद्यान है, जो बच्चों में अप्पू गार्डन के नाम से खासा लोकप्रिय है ढु छुट्टियों में अधिकतर बच्चे शाम के समय में इस गार्डन में देखें जा सकते हैं ढु नगर निगम कोरबा द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन सहित गर्मी के दिनों में कृत्रिम समुद्री लहरों के आनंद के लिए वेब पुल का भी निर्माण किया गया है ।गार्डन के बेहतर रखरखाव एवं संचालन हेतु नगर निगम द्वारा इसे प्राइवेट करने की प्रक्रिया शुरू की गई है जिसके तहत विभिन्न संचार माध्यमों से विज्ञापन प्रकाशित कर इच्छुक व्यक्ति या कंपनी द्वारा टेंडर मंगाया गया है । नगर निगम द्वारा विवेकानंद उद्यान के उचित रखरखाव एवं संचालन के लिए 05 वर्ष की लीज अवधि हेतु टेंडर की प्रक्रिया की जा रही है,जिससे कि टेंडर लेने वाले कंपनी या फर्म के द्वारा उद्यान का बेहतर तरीके से रखरखाव करते हुए और अन्य संसाधनों को बढ़ाया जाएगा जिससे कि कोरबा वासियों को एक बेहतर गार्डन की सुविधा उपलब्ध हो सके।

## जिले में 25 मई को मनाया जाएगा झीरम श्रद्धांजलि दिवस

- संवाददाता -
कोरबा, 23 मई 2023 (घटती-घटना)।

राज्य शासन द्वारा 25 मई 2013 को झीरम घाटी में नक्सल हिंसा के शिकार हुए जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारीगण, सुरक्षा बलों के जवान एवं विगत वर्षों तथा वर्तमान में नक्सल हिंसा में शहीद हुए अन्य सभी भाईयों-बहनों की स्मृति में आगामी 25 मई को झीरम श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त निर्णय के परिप्रेक्ष्य में 25 मई को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी शासकीय-अर्ध शासकीय कार्यालयों में शहीदों की स्मृति में 02 मिनट का मौन धारण किया जाएगा। इस दौरान उपस्थित अधिकारी-कर्मचारी छत्तीसगढ़ राज्य को पुनः शांति का टापू बनाने हेतु संकल्प लेंगे।

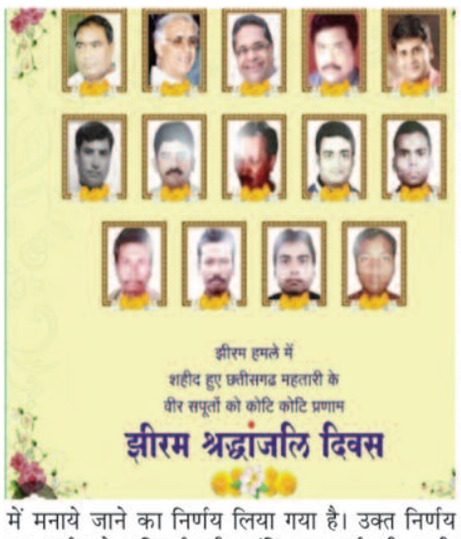


## शांति देवी मेमोरियल सोसायटी द्वारा तपती गर्मी में शीतल शरबत से राहगीरों की बुझाई जा रही प्यास

- संवाददाता -
कोरबा,23 मई 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले में 44 डिग्री तापमान से इन दिनों कोरबा की सड़के ऐसी लग रही हो मानो आग उगल रही है । औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां दिन और रात को भी चहल कदमी बनी रहती है और दोपहर में भी लोगों का आना जाना लगा रहता है । ऐसी तपती गर्मी में जब लोगों को ठण्डा जल और ठण्डा शरबत मिल जाये तो इससे बड़ा पुण्य गर्मी मे कुछ भी नही हो सकता। इसी कड़ी में शांति देवी मेमोरियल सोसायटी के सौजन्य से कोरबा विधायक जयसिंह अग्रवाल एवं श्रीमती रेणु अग्रवाल( पूर्व महापौर) के द्वारा शहर के जिला कांग्रेस कार्यालय के सामने एवं कोसाबाड़ी शांति हीरो के सामने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अप्रैल से शीतल शरबत मंदिर संचालित किया जा रहा है। जहां पर रोजाना सैकड़ो राहगीर रूक कर शीतल शरबत का आनंद ले रहे है और गर्मी में सूखे गले को तर कर आनंदित हो रहे है। गर्मी में ऐसी सुव्यवस्था और शरबत पिलाने वाले कर्मियों के सद्व्यवहार से लोगों की दुआएं भी निकल रही है साथ ही सीतल शरबत रथ का भी संचालन किया जा रहा है जो शहर की सड़को में यत्र-तत्र कहीं भी रुक कर लोगों के प्यास बुझाने में मददगार साबित हो रही है जिससे राहगीरों को इस गर्मी से थोड़ी राहत मिलने से उनके द्वारा दुआएं भी दी जा रही है । यह रथ खास कर भीड़-भाड़ वाले बाजारों और हटरियों में भी पहुंच रहा है जहां पर लोग शीतल शरबत का आनंद उठा रहे हैं। ऐसी गर्मी में दूर दराज से आए लोग एवं ग्रामीण जो अपने कार्य के लिए कोरबा शहर में आएं है इस अनुकरणीय पहल पर धन्यवाद के साथ दुआएं भी दे रहे है।

**न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़**

-: ईश्तहार :-

लखनपुर,दिनांक 16/05/2023

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम-बिनकरा
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका जयलाल आ0 सुखलाल निवासी ग्राम बिनकरा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पिता स्व0सुखलाल की मृत्यु दिनांक 10/04/2010 को हो जाने से( जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज0नियम 2001 के नियम 9(3)के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 08/06/2023 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 08/06/2023 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)
सील

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)**

रा0प्र0क्रं0/ 202305021200046/ अ-20(3)/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी जगदीश प्रसाद अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी भारत माता चौक अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला न्यू महामाया रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-08 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2361/3 रकबा 2178 एकड़ भूमि /मकान को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने संबंधी आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा की छायाप्रति पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/06/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर
सील

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)**

रा0प्र0क्रं0/ / ब-121/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार आ0 के0पी0गोपीनाथ निवासी भट्ठापारा अम्बिकापुर निवासी ग्राम भिट्ठीकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम भिट्ठीकला स्थित खसरा नंबर 1278/1 रकबा 0.085 हे0 भूमि को अनावेदक कुनाल जैन आ0 शशिभूषण जैन निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 35,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान् कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है,जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.05.2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा
सील

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)**

रा0प्र0क्रं0/ 202305021200011/ अ-20(3)/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनमोहन पाण्डेय आ0 स्व0 रामचन्द्र पाण्डेय जाति ब्राम्हण निवासी फुन्दुरडिहारी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की मोहल्ला नवापारा जवाहर मार्केट अम्बिकापुर शीट नम्बर-01 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 03/102 रकबा $11^{1/2}$ x26=301 वर्गफ ीट भूमि अनावेदिका श्रीमती सुनीता पाण्डेय पत्नी वेदप्रकाश पाण्डेय जाति ब्राम्हण निवासी फुन्दुरडिहारी अम्बिकापुर छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा की छायाप्रति पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/06/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर
सील

CMYK

# मुंबई के इन बल्लेबाजों से लग रहा लखनऊ को डर

### » बुधवार को लखनऊ का सामना करेगी मुंबई

**मुंबई,23 मई 2023।** रिकॉर्ड 5 बार की चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस आईपीएल के मौजूदा सीजन के एलिमिनेटर मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी. मुंबई की कमान धाकड़ ओपनर रोहित शर्मा के पास है जबकि लखनऊ की कप्तानी करुणाल पांड्या संभाल रहे हैं. केएल राहुल के चोटिल होने के कारण करुणाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है.

#### मुंबई ने ऐसे बनाई प्लेऑफ में जगह

बल्लेबाजों की फॉर्म में वापसी की बदौलत प्लेऑफ में जगह बनाने वाली मुंबई इंडियंस की टीम बुधवार को एलिमिनेटर मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी. मुंबई की टीम पिछले सीजन में अंतिम स्थान पर रही थी जिसके बाद मौजूदा सीजन में टीम ने वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई. गुजरात टाइटंस ने अंतिम लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को हराकर मुंबई की मौज करा दी. रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम की नजरें अब अपने छठे आईपीएल खिताब पर टिकी हैं.

#### लखनऊ को इन बल्लेबाजों से खतरा

मुंबई के लिए अंतिम लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने शानदार शतक जड़ा. सुपरजायंट्स के खिलाफ बल्लेबाजी में टीम की नजरें सूर्यकुमार यादव (511 रन, एक शतक, चार अर्धशतक), ओपनर ईशान किशन (439), ग्रीन (381) और कप्तान रोहित (313) पर टिकी होंगी. मुंबई के बल्लेबाजों ने लय हासिल कर ली है और ऐसे में सुपरजायंट्स के गेंदबाजों की राह आसान नहीं होगी. ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन अगर फिर से चल गए तो मुंबई को ट्रॉफी जीतने में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी.

#### गेंदबाजों से उम्मीद

सुपरजायंट्स को अगर मुंबई के बल्लेबाजों को रोकना है तो लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को बड़ी भूमिका निभानी होगी. रवि 14 मैचों में 16 विकेट के साथ टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं. उनके अलावा नवीन उल हक, आवेश खान, कप्तान करुणाल और अनुभवी अमित मिश्रा जैसे गेंदबाजों को भी अधिक योगदान देना होगा. मुंबई टीम जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर कमजोर नजर आ रही है.

## डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले भारतीय टीम के सामने आएगी बड़ी परेशानी

### » नहीं मिलेगा ये मुकाबला खेलने का मौका

**नई दिल्ली,23 मई 2023।** भारतीय क्रिकेट टीम अब जल्द ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खेलने की तैयारियां शुरू करेगी। वर्तमान में जारी इंडियन प्रीमियर लगी 28 मार्च को फाइनल मुकाबले के साथ खत्म होगी। इसके बाद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तैयारियां करेगी। वहीं आईपीएल से जो टीमें बाहर हो चुकी है उन टीमें का हिस्सा बने भारतीय खिलाड़ी अब इंग्लैंड के लिए रवाना हो रहे है। चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली टीम का एक बैच इंग्लैंड के लिए रवाना हो चुका है, जबकि दूसरा बैच फाइनल मुकाबला होने के बाद 29 मई को रवाना होगा।

जानकारी के मुताबिक विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 फाइनल खेलने से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। जानकारी मिली है कि टीम को इस फाइनल मुकाबले के लिए तैयारी का ठीक से मौका नहीं मिल सकेगा। ठीक से तैयारी ना करने का मौका नहीं मिलना टीम और खिलाड़ियों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

#### प्रैक्टिस मैच पर छाया संकट

माना जा रहा है कि भारतीय टीम को चैंपियनशिप के लिए ठीक से तैयारी करने का मौका नहीं मिलेगा। खिलाड़ियों को इससे काफी परेशानी हो सकती है। गौरतलब है कि सात जून से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच इंग्लैंड के द ओवल मैदान में टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। इस फाइनल मुकाबले से पहले माना जा रहा था कि प्रैक्टिस मैच खेला जाएगा ताकि टी20 से खिलाड़ियों को टेस्ट फॉर्मेट में ढलने में मदद मिलेगी। हालांकि माना जा रहा है कि भारतीय टीम अब प्रैक्टिस मैच नहीं खेल सकेगी। दरअसल कहा जा रहा है कि कई खिलाड़ी 29 मई को इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे और 30 मई को पहुचेंगे। इसके बाद एक जून तक सभी की मुलाकात होगी। अब जब सात जून से

फाइनल मुकाबला खेला जाना है तो इस दौरान खिलाड़ियों को पर्याप्त समय नहीं मिलेगा की वो प्रैक्टिस मैच खेल सकें और टेस्ट की फॉर्म में लौट सकें। जानकारी के मुताबिक बीसीसीआई की कोशिश थी की खिलाड़ियों को तीन दिन के लिए मैच खेलने का मौका मिले मगर अब ऐसा संभव होता नहीं दिख रहा है।

#### अचानक होगा खिलाड़ियों के फॉर्मेट में बदलाव

गौरतलब है कि भारतीय टीम के खिलाड़ी वर्तनाम में लंबे समय से टी20 क्रिकेट खेल रहे है। ऐसे में अचानक से कुछ ही दिनों के अंतराल में खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट के फॉर्मेट में ढलना आसान नहीं होगा। हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर ऑस्ट्रेलिया की टीम काफी फायदे में है क्योंकि काफी कम खिलाड़ी ऐसे हैं जो आईपीएल का हिस्सा है। ऐसे में टेस्ट मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया को खेलने का पर्याप्त समय मिलेगा। खिलाड़ियों के बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन होता हुआ भी दिख रहा है। ऐसे में देखना होगा कि भारतीय खिलाड़ियों को प्रैक्टिस मैच खेलने का मौका मिलेगा या नहीं और टीम मुकाबले में कैसे प्रदर्शन करेगी।

#### ये है फाइनल टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मो. शमी, मो. सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, इशान किशन।

## स्क्वाश वर्ल्ड कप में जोशना भारतीय चुनौती की करेंगी अगुवाई

**नई दिल्ली,23 मई 2023।** सौरव घोषाल और जोशना चिनप्पा 13 से 17 जून तक यहां होने वाले स्क्वाश विश्व कप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसएफआरआई) ने यह जानकारी देते हुए कहा कि टूर्नामेंट का आयोजन एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल और 'इंडियन स्क्वाश एंड ट्रायथलॉन अकादमी' में होगा। टूर्नामेंट में नौ देश भाग लेंगे। इसमें मेजबान भारत के अलावा हांगकांग, चीन, जापान, मलेशिया, मिस्र, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और कोलंबिया शामिल है। भारत में विश्व कप का पिछला सत्र भी 2011 में चेन्नई में आयोजित किया गया था।

एसएफआरआई के मानद आजीवन अध्यक्ष एन रामचंद्रन ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि चेन्नई एक बार फिर 13 से 17 जून तक प्रतिष्ठित एसडीएटी-डब्ल्यूएसएफ स्क्वाश विश्व कप की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट का चौथा सत्र होगा। इस बार टूर्नामेंट में लैंगिक समानता और अंक प्रणाली में सुधार किया गया है। पिछले सत्रों में हर टीम में दो पुरुषों और एक महिला के मुकाबले इस बार दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। प्रत्येक मैच 'बेस्ट ऑफ फाइव गेम्स' के प्रारूप में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का आगाज राउंड रॉबिन पूल चरण के साथ होगा और फिर नॉकआउट चरण के मुकाबले होंगे। घोषाल, अभय सिंह, जोशना और तन्वी खन्ना भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने टूर्नामेंट के आयोजन के लिए रामचंद्रन को डेढ़ करोड़ रुपये का चेक सौंपा और कहा कि एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल के सेंट्रल एट्रियम को खेल के अनुकूल बनाया जा सकेगा, जहां दर्शक भी इसका लुत्फ उठा सकेंगे।

## नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास

### » रैंकिंग में वर्ल्ड चैंपियन को पछाड़ कर हासिल किया शीर्ष पद

**नई दिल्ली,23 मई 2023।** ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा ने इतिहास रच दिया है। स्टार भला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। जेवलिन थ्रो की रैंकिंग में नीरज चोपड़ा पहली रैंकिंग हासिल करने वाले खिलाड़ी बन गए है। नीरज ने ये खास उपलब्धि 23 मई को हासिल की है।

जानकारी के मुताबिक ये रैंकिंग वर्ल्ड एथलेटिक्स ने जारी की है। पुरुषों की इस रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर नीरज चोपड़ा ने इतिहास रच दिया है। नीरज चोपड़ा के पास वर्तमान में 1455 अंक है, जिसकी बदौलत वो शीर्ष पर पहुंचे है।

#### नीरज ने कई शानदार खिलाड़ियों को पछाड़ा

नीरज ने ये उपलब्धि कई बड़े खिलाड़ियों को पछाड़ कर हासिल की है। नीरज ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स को 22 अंकों से मात देकर ये उपलब्धि पाई है, जिनके 1433 अंक है। तीसरे पायदान पर चेक रिपब्लिक के जैकब वडलेजच है। चौथे और पांचवें पायदान पर जूलियन वेबर और अरशद नदीम है। अरशद पाकिस्तान के खिलाड़ी है। अरशद और नीरज के अंकों में काफी अंतर है।

#### डायमंड लीग में हासिल की थी उपलब्धि

इससे पहले नीरज चोपड़ा ने हाल ही में दोहा में आयोजित डायमंड लीग चैंपियनशिप जीती थी। उन्होंने इस लीग में 88.67 मीटर भला फेंक कर रिकॉर्ड कायम किया था और गोल्ड मेडल भी हासिल किया था। बता दें कि नीरज चोपड़ा को अगला टूर्नामेंट अब नीदरलैंड में खेलना है। उनका अगला टूर्नामेंट नीदरलैंड के हेंगलो में खेला जाएगा। फैनी ब्लैंकर्स कोएन गेम्स हैं, जिनका आयोजन नीदरलैंड में चार जून से होगा। इसके बाद नीरज चोपड़ा फिनलैंड के तुर्कू में होने वाले वालो नूरमी गेम्स में भी हिस्सा लेंगे।

## दुनिया के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी बने अल्कारेज

**पेरिस ,23 मई 2023।** कार्लोस अल्कारेज नवीनतम एटीपी रैंकिंग में नोवाक जोकोविच को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं जिससे उन्हें फ्रेंच ओपन में शीर्ष वरीयता मिलेगी। इटैलियन ओपन का खिताब जीतने वाले दानिल मेदवेदेव नवीनतम रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। रोम में गत चैंपियन के रूप में उतरे जोकोविच को चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा जिससे वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। रविवार से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन के साथ पहली बार स्पेन के अल्कारेज को किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता मिलेगी।

वह इस महीने 20 बरस के हो जाएंगे। उन्होंने 2023 में 30 मुकाबलों में जीत दर्ज की है जबकि तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दूसरी तरफ गत फ्रेंच ओपन चैंपियन ईगा स्वियातेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। वह एक साल से अधिक समय से दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। उनके बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता एरिना सबालेंका दूसरे स्थान पर हैं। इटैलियन ओपन में महिला एकल का खिताब जीतने वाली एलेना रिबाकिना दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। जेसिका पेगुला तीसरे स्थान पर बरकरार हैं।

## अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा,चार-पांच साल में लंबी कूद में विश्व में शीर्ष पर होगी शैली सिंह

**नई दिल्ली,23 मई 2023।** लंबी कूद की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि उनकी शिष्या शैली सिंह के 19 साल की उम्र में प्रदर्शन पर गौर करें तो वह अगले चार या पांच साल में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की तरह दुनिया भर में शीर्ष पर होंगी। इसी साल शैली ने इंडियन ग्रां प्री में 6.76 मीटर की कूद लगाई थी जो अंजू के बाद किसी भारतीय महिला का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अंजू का 6.83 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2004 से बरकरार है। शैली ने सीनियर स्तर पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जीता जब उन्होंने जापान के योकोहामा में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता सेइको ग्रां प्री में 6.65 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। शैली की सीनियर स्तर पर यह पहली वैश्विक प्रतियोगिता थी।

अंजू ने पीटीआई से कहा, ''उसने (शैली ने) 19 साल की उम्र में जितनी लंबी कूद लगाई है वह शानदार है। उन्नीस साल की उम्र में उसने 6.76 मीटर की कूद लगाई। वह मुश्किल से मिलने वाली प्रतिभा है और हमें बेहद सतर्कता के साथ

उसे निखारना होगा जिससे कि परिपक्व होने पर वह विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बन सके।'' पेरिस में 2003 में कांस्य पदक के रूप में विश्व चैंपियनशिप का पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला एथलीट अंजू और उनके पति रॉबर्ट बॉबी जॉर्ज ने शैली को 2017 में खोजा था जब वह सिर्फ 13 साल की थी।

शैली अभी रॉबर्ट के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही हैं जो बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हाई परफोर्मेंस कोच भी हैं। अंजू ने कहा कि जापान में कांस्य पदक जीतना शैली का प्रतिभावान एथलीट से वैश्विक स्तर पर लगातार पदक जीतने वाली खिलाड़ी के रूप में बदलाव की ओर पहला कदम है। उन्होंने कहा, ''इस पदक से उसका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। आपको बदलाव के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं और सम्मान की जरूरत होती है। आयु उसके पक्ष में है और आगामी वर्षों में वह और अधिक उपलब्धियां हासिल करेगी।''

अंजू ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि शैली एशियाई खेलों में कम से कम एक पदक जीत सकती है और बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर सकती है।''

## अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ ने दुष्ट संगठन में शामिल होने के लिए चार राष्ट्रीय महासंघों को किया निलंबित

**यूएसए,23 मई 2023।** जर्मनी, न्यूजीलैंड, स्वीडन और नीदरलैंड के राष्ट्रीय महासंघों को अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ द्वारा एक दुष्ट मुक्केबाजी संगठन में उनकी भागीदारी के लिए निलंबित कर दिया गया है।

पिछले महीने, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन सहित राष्ट्रीय महासंघों के एक समूह ने ओलंपिक खेलों में खेल के दीर्घकालिक भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से एक नया संगठन - वर्ल्ड बॉक्सिंग - लॉन्च किया।

आईबीए ने एक बयान में कहा, चारों (संघ) नियमों और विनियमों का उल्लंघन करने के दोषी थे और उन्हें आईबीए सदस्यों के रूप में निलंबित कर दिया गया था।

÷उन सभी को सुनवाई का अधिकार दिया गया था, लेकिन किसी ने स्पष्ट रूप से शासी निकाय में उनकी भागीदारी से इनकार नहीं किया और न ही संगठन से खुद को दूर किया।

जबकि वर्ल्ड बॉक्सिंग के अंतरिम कार्यकारी बोर्ड में जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड, फिलीपींस, स्वीडन और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि शामिल थे, यूएसए बॉक्सिंग एकमात्र संघ था जिसने अपनी आईबीए सदस्यता समाप्त कर दी थी।

हालांकि, आईबीए ने कहा कि चौकड़ी को फिर से बहाल किया जा सकता है यदि वे दिखाते हैं कि उनके पास किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ में भाग लेने वाले संबद्ध अधिकारी नहीं हैं और एक लिखित बयान प्रदान करते हैं, यह पुष्टि करते हुए कि उन्होंने किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ में भाग लेना बंद कर दिया है और ऐसा नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ भविष्य में ऐसे संघों में भाग लें। उन्हें अपनी संबंधित वेबसाइटों पर एक वैकल्पिक अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ स्थापित करने के किसी भी प्रयास की भी निंदा करनी चाहिए।

इसके अलावा, आईबीए ने चेक बॉक्सिंग एसोसिएशन, लाइबेरिया बॉक्सिंग एसोसिएशन और फेडरेशन ऑफ बॉक्सिंग ऑफ इक्वेटोरियल गिनी को भी निलंबित कर दिया।

## लियो के बाद अपनी अगली फिल्म के लिए थलापति विजय ने वेंकट प्रभु संग मिलाया हाथ

इस वर्ष जनवरी माह में वारिसु में नजर आए थलापति विजय अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में आ गए हैं। सिने गलियारों में बहती हवाओं ने कहा है कि थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक वेंकट प्रभु संग हाथ मिलाया है। जब से यह समाचार गलियारों में फैला है उद्योग को हैरानी हो रही है। कहा जा रहा है एक असफल निर्देशक के साथ क्यूंकर विजय थलापति काम करने जा रहे हैं। गौरतलब है कि निर्देशक वेंकट प्रभु की हालिया प्रदर्शित फिल्म कस्टडी बॉक्स ऑफिस पर असफल करार हो गई है। कहा जा रहा है कि थलापति विजय को वेंकट प्रभु का आइडिया पसन्द आया है और उन्होंने उनकी फिल्म को हाँ कर दी है। इससे पहले विजय की 68वीं फिल्म के लिए निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी और निर्देशक एटली की अगली फिल्म के बारे में चर्चा चल रही थी। अचानक से वेंकट प्रभु बीच में कैसे आ गए इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

हालांकि इन दिनों थलापति विजय निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म लियो को पूरा करने में लगे हुए हैं। वारिसु के जरिये हिन्दी भाषी दर्शकों को अपने साथ जोडने में सफल रहे थलापति की अब सभी फिल्मों को पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित किए जाने की चर्चाएँ हैं। कहा जा रहा है कि लियो को कनगराज तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड और हिन्दी में प्रदर्शित करेंगे। कनगराज की पिछली प्रदर्शित फिल्म विक्रम भी पैन इंडिया प्रदर्शित हुई थी।

मीडिया समाचारों के अनुसार थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए 200 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। थलापति विजय ने अपनी अगली फिल्म के लिए साउथ इंडस्ट्री के पॉपुलर डायरेक्टर वेंकट प्रभु के साथ हाथ मिलाया है। बताया जा रहा है कि थलापति विजय को ये रकम एजीएस एंटरटेनमेंट द्वारा दी जाएगी। हालांकि, थलापति विजय को 200 करोड़ रुपये की फीस वाली बात की पुष्टि नहीं हुई है। इसको लेकर मेकर्स या अभिनेता की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। बताते चलें कि एजीएस एंटरटेनमेंट वही कंपनी है जिसने साल 2019 में रिलीज हुई थलापति विजय की फिल्म बिगिल को प्रोड्यूस किया था।

## कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए काफी एक्साइटिड हैं मौनी रॉय

एक्ट्रेस मौनी रॉय चल रहे प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनका कहना है कि वह वैश्विक मंच पर सिनेमा के प्रति अपने जुनून को दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, मौनी, जिन्होंने इस कार्यक्रम के लिए आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट के साथ सहयोग किया है, ने कहा- मुझे कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी शुरूआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। कान में लेंसकार्ट का प्रतिनिधित्व करना और इस उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मैं इस अविश्वसनीय अवसर के लिए आभारी हूं और इस वैश्विक मंच पर सिनेमा के लिए अपनी अनूठी शैली और जुनून दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

## क्या रजनीकांत लेंगे फिल्म इंडस्ट्री से संन्यास?

क्या तमिल सुपरस्टार रजनीकांत लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित अपनी 171वीं फिल्म के बाद फिल्म इंडस्ट्री से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं।

तमिल फिल्म निर्माता मैसस्किन ने एक इंटरव्यू में कहा कि रजनीकांत की प्रस्तावित युवा निर्देशक लोकेश कंगाराज के साथ प्रस्तावित फिल्म सुपरस्टार के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म हो सकती है, जिसके बाद से उद्योग जगत में अटकलों का दौर चल रहा है।

निर्देशक की टिप्पणी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गई। इस खुलासे ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया है और रजनीकांत के कई प्रशंसकों ने इस पर विश्वास करने से इनकार कर दिया।

एक फैन ने कहा, नहीं, थलाइवा ऐसा कोई फैसला नहीं करेंगे। एक अन्य फैन ने अटकलों पर विराम लगाने का आह्वान किया। फैंस का कहना है कि रजनीकांत ने कभी संन्यास की बात नहीं की और इसलिए वे किसी और के बोलने पर विश्वास नहीं करेंगे।

## देवरा बनकर सिनेमाई परदे पर गदर मचाएंगे जूनियर एनटीआर, साथ होंगी जाह्नवी कपूर

आरआरआर के बाद अपनी अगली फिल्म निर्देशक शिवा कोराताला के साथ लेकर आने वाले जूनियर एनटीआर ने हाल ही में अपना 40वां जन्म दिन मनाया है। इस खुशी के मौके पर कोराताला शिवा की टीम ने अपनी फिल्म के टाइटल व प्रदर्शन तिथि की घोषणा कर दी है। बताया जा रहा है कि जूनियर एनटीआर की इस फिल्म का देवरा है और यह 5 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में पैन इंडिया प्रदर्शित की जाएगी। आरआरआर के बाद से जूनियर एनटीआर का क्रेज

हिन्दी भाषी क्षेत्रों में बहुत ज्यादा बढ़ गया है जिसके चलते अब उनकी फिल्मों को हिन्दी में प्रदर्शित किया जाएगा। जूनियर एनटीआर स्टारर निर्देशक कोराताला शिवा की इस फिल्म में हिन्दी फिल्मों में नजर आ रही जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसका धमाकेदार ऐलान मेकर्स ने कुछ वक्त पहले ही किया था। जाह्नवी कपूर की यह पहली साउथ फिल्म होगी। जिसमें वो जूनियर एनटीआर संग स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली हैं। दिलचस्प बात ये है कि जूनियर एनटीआर और निर्देशक कोरताला शिवा की ये फिल्म एक पैन इंडिया रिलीज होगी। यही वजह है कि इस फिल्म को मेकर्स हिंदी में भी रिलीज करने वाले हैं।खास बात यह है कि जूनियर एनटीआर और कोरताला शिवा इससे पहले ब्लॉकबस्टर फिल्म जनता गैराज में एक साथ काम कर चुके हैं। यही वजह है कि इस फिल्म से भी दर्शकों को खासी उम्मीदें हैं।

# झीरम मामले पर भूपेश बघेल ने केंद्र पर साधा निशाना

» बोले...झीरम में क्या छुपाना चाहती है बीजेपी

रायपुर,23 मई 2023(ए)। देश के सबसे बड़ी नक्सली घटनाओं में से एक दरभा झीरम घाटी नक्सली हमले की 10वीं बरसी कल यानी 25 मई को है। इस मौके पर, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल इस घटना में मारे गए कांग्रेसी नेताओं को श्रद्धांजलि देने बस्तर जाएंगे। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता बस्तर पहुचेंगे। इसके पहले सीएम भूपेश बघेल का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।
उन्होंने केंद्र सरकार व बीजेपी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि इस हमले में केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लापरवाही बरती। जब प्रदेश सरकार ने जांच की डायरी मांगी, तो हमें नहीं दी गई। इस कांड के बारे में कुछ तो है, जिसे छुपाया जा रहा है। भाजपा कुछ तो दबाना और छुपाना चाह रही है। मंगलवार को सीएम ने ये बयान रायपुर एयरपोर्ट में दिया। पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम बोले कि हमारे पास इस घटना के पर्याप्त सबूत हैं, लेकिन किसको दें? क्या उस एनआईए को दें, जिसने झीरम कांड के जीवित लोगों से पूछताछ नहीं की? क्या उस एनआईए से बात करें, जिससे राज्य सरकार ने जांच वापस मांगी, तो वो लोग हाईकोर्ट में चले गए, फिर सुप्रीम कोर्ट गए। वे लोग खुद जांच नहीं कर रहे हैं और न ही हमें जांच करने दे रहे हैं।
बीजेपी को किस बात की डर है। सीएम ने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि इसका क्या मतलब है। वह केस नहीं देना चाहते हैं। दो-तीन सवाल हैं। वहां से रोड ओपनिंग पार्टी हटाई क्यों गई? पूछ-पूछ कर क्यों मारा गया? पटेल कौन हैं? कर्मा कौन हैं? दिनेश पटेल कौन हैं? बंटी कर्मा कौन हैं? कभी आपने ऐसा करते देखा है कि नक्सली पूछ-पूछ कर मारते हैं? कभी ऐसा किए हैं? जब 4 बजे की घटना थी तो सुरक्षा क्यों नहीं दी गई? बहुत सारे सवाल हैं। फिर एनआईए की कोर्ट ने एनआईए को कहा कि जो नक्सली तेलंगाना में सरेंडर किए हैं, उनका बयान लिया जाए। एनआईए ने आज तक उनसे पूछताछ नहीं की, बयान नहीं लिया।

**जज का ट्रांसफर करा दिया**

सीएम ने कहा कि इस मामले में जज का ट्रांसफ र करा दिया गया। उसके घर में सुलती बम फेंका गया। उसे डराया धमकाया गया। तमाम मीडिया में यह खबरें रहीं। इससे स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी कुछ दबाना-छुपाना चाहती है। इतनी बड़ी घटना थी, इसके बावजूद बीजेपी के नेता उटपटांग बयान दे रहे हैं। यह लोग निर्लज्ज हैं, इन्हें शर्म नहीं आती। इतने लोगों की जान चली गई। कांग्रेस नेताओं और जवानों की जान चली गई। उस पर ये राजनीति करते हैं, लेकिन कांग्रेस के लिए यह भावनात्मक मामला है। वहीं एक कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को न्योता नहीं मिलने के सवाल पर कहा कि सबको निमंत्रण भेजा जाता है। यदि वे अतिरिक्त चाहते हैं, तो उन्हें अलग से निमंत्रण भेज दिया जाएगा। क्या था झीरम घाटी हमला - दरअसल 25 मई 2013 को सुकमा जिले में परिवर्तन यात्रा सभा कर वापस बस्तर लौट रहे कांग्रेसियों के काफि ले पर, दरभा झीरम घाटी में घात लगाए 200 से ज्यादा नक्सलियों ने हमला बोल दिया था।
इस हमले में काफि ले पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी जिसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बड़े बेटे दिनेश पटेल, बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेसी नेता उदय मुदलियार और जवानों के साथ ही आम आदमी सहित कुल 32 लोग मारे गए थे।
इस घटना में कांग्रेस की एक पीढ़ी पूरी तरह से समाप्त हो गई थी, 25 मई को इस घटना की 10वीं बरसी के मौके पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने बस्तर में दिग्गज नेता जुटेंगे। इस बार राज्य सरकार झीरम घाटी शहादत दिवस को झीरम श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। जिसकी पूरे प्रदेश में तैयारी चल रही है।

**सीएम बस्तर पहुंचकर देंगे झीरम के शहीदों को श्रद्धांजलि**

झीरमघाटी कांड की 10वीं बरसी पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा और प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेता दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने बस्तर जाएंगे। 24 और 25 मई को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बस्तर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे झीरमकांड में शहीद हुए कांग्रेसजनों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने जगदलपुर के लालबाग में बने झीरमघाटी स्मारक जाएंगे। इसके पश्चात वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आने वाले चुनावों के संबंध में रणनीति पर चर्चा करेंगे। 25 मई को झीरमकांड की 10वीं बरसी है। सीएम के साथ ही पीसीसी के नेता बस्तर पहुंचकर दिवंगत हुए कांग्रेसजनों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। ज्ञात हो कि झीरमकांड को लेकर आज भी सस्पेंस कायम है, नक्सलियों के हमले में कांग्रेस के प्रथम पंक्ति के कई नेता शहीद हो गए थे।

# यूपीएससी परीक्षा का परिणाम घोषित

## टॉप 4 में इन्होंने मारी बाजी,इशिता रही टॉप स्कोरर

» हौसलों को मिला मुकामः यूपीएससी में छग के 3 स्टूडेंट्स ने किया कमाल,

» अभिषेक चतुर्वेदी,आकाश श्रीश्रीमाल और दिव्या पंत का हुआ सलेक्शन

रायपुर,23 मई 2023(ए)। संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2022 का परिणाम घोषित कर दिया है. इस परीक्षा में छात्राओं ने बाजी मारी है. परीक्षा में टॉप पर इशिता किशोर, दूसरे स्थान पर गरिमा लोहिया और तीसरे स्थान पर उमा हरति एन हैं. परीक्षार्थी य ू पी एस सी की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यू. डब्ल्यू डब्ल्यू यू पी एस सी.जी ओ व्ही.आईएन पर जाकर अपना




रिजल्ट देख सकते हैं. 18 अप्रैल तक यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के इंटरव्यू चले थे. इंटरव्यू राउंड की शुरुआत 30 जनवरी से हुई और मुख्य परीक्षा में सफल होने वाले करीब 2 हजार 529 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था. यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा 2022 के तहत आईएएस, आईपीएस समेत सर्विसेज में 1011 पदों पर भर्ती निकाली थी.

**ये हैं इस साल के टॉपर्स**

1. इशिता किशोर
2. गरिमा लोहिया
3. उमा हरति एन
4. स्मृति मिश्रा
5. मयूर हजारिका
6. गहना नव्या जेम्स
7. वसीम अहमद भट
8. अनिरुद्ध यादव
9. कनिका गोयल
10. राहुल श्रीवास.

# दिल्ली के जंतर मंतर में पहलवानों के धरने पर पहुंच कर छत्तीसगढ़ की टीम ने समर्थन दिया

रायपुर,23 मई 2023(ए)। जंतर मंतर में पिछले एक माह से धरने पर बैठे पहलवानों के समर्थन में छत्तीसगढ़ से सत्यजीत साहू अपनी टीम के साथ धरना स्थल पर पहुंचे। छत्तीसगढ़ से टीम के सदस्य ठाकुर संतोष और सुरज दुबे ने भी साथ जाकर पहलवानों से मुलाक़ात की।
धरने को समर्थन देते हुए सत्यजीत साहू ने पहलवान बजरंग पुनिया से मुलाकात की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने कहा कि न्याय में देरी भी एक अन्याय है। हम सब अन्याय के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ रहे पहलवानों का साथ दे रहे हैं। हमने पिछले कई दशकों से शायद ही किसी नामी खिलाड़ियों को किसी ख़ास स्पोर्ट्स फ़ेडरेशन के खिलाफ इतना बड़ा प्रदर्शन करते हुए देखा है। देश के पहलवानों की आवाज़ को मज़बूत बनाने के लिये नागरिकों को भी आगे आकर साथ देने की ज़रूरत है।

23 अप्रैल से शुरू इस धरने पर बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई नामी पहलवान शामिल हैं. एक माह से चल रहे इस प्रदर्शन में पहलवानों कि एक माँग तो पुरी हो चुकी है। मगर शेष मांगे अब भी अधूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद ही प्रकरण पर केस दर्ज हो पाया। पुलिस ने धरना स्थल की बिजली काट दी है। प्रतिनिधिमंडल ने रात में जब जाकर मुलाक़ात की तो देखा कि वैकल्पिक व्यवस्था से रौशनी की जा रही है। इस आंदोलन से देश की खेल व्यवस्था की विसंगतियों बड़े रूप में उजागर हो रही हैं।

# छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के

## हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के परीक्षा परिणाम घोषित

» हायर सेकेण्डरी परीक्षा का परिणाम 65.46 प्रतिशत तथा हाई स्कूल परीक्षा का परिणाम 54.09 प्रतिशत रहा

रायपुर,23 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के नतीजे आज घोषित किए गए। हाई स्कूल का परीक्षाफल प्रतिशत 54.09 तथा हायर सेकेण्डरी परीक्षा का परीक्षाफल प्रतिशत 65.46 रहा। हाई स्कूल परीक्षा में कुल 37 हजार 471 छात्रों का पंजीयन हुआ था। इस 34 हजार 161 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। 34 हजार 132 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम जारी किया गया। कुल उत्तीर्ण परीक्षार्थी 18 हजार 465 रहे। 29 परीक्षार्थियों का परीक्षाफल विभिन्न कारणों से रोका गया है। हाई स्कूल परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी में 4 हजार 13 परीक्षार्थी, द्वितीय श्रेणी में 7 हजार 320 विद्यार्थी तथा तृतीय श्रेणी 6 हजार 923 विद्यार्थी से उत्तीर्ण हुए। कुल 18 हजार 465 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी परीक्षा में 65 हजार 557 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था। इसमें 62 हजार 51 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें से 57 हजार 105 परीक्षार्थियों को परीक्षा परिणाम जारी किया गया। इनमें 9 हजार 653 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी, 15 हजार 180 परीक्षार्थी द्वितीय श्रेणी से तथा 11 हजार 801 परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। कुल 37 हजार 383 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। परीक्षा में 4 हजार 883 विद्यार्थी आरटीडी योजनांतर्गत अवसर परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। 63 परीक्षार्थियों का परीक्षाफल विभिन्न कारणों से रोका गया है।
उक्त परीक्षा परिणाम छात्र वेबसाईट में प्राप्त कर सकते हैं एवं अनुत्तीर्ण छात्र आगामी परीक्षा के आवेदन फार्म अपने अध्ययन केन्द्र में जमा कर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

# स्वास्थ्य मंत्री टी.एस.सिंहदेव के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया गई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने देखा ईएमआर सिस्टम

» ऑस्ट्रेलिया गई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने देखा ईएमआर सिस्टम

» गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में वर्चुअल अस्पताल की कार्यप्रणाली को जाना-समझा

» बिना चीरे के न्यूरो सर्जरी के बारे में भी ली जानकारी, छत्तीसगढ़ में भी इसे अपनाने स्वास्थ्य विभाग साझेदारी की संभावना तलाशेगा




रायपुर,23 मई 2023(ए)। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री टी.एस. सिंहदेव के नेतृत्व में अध्ययन भ्रमण पर ऑस्ट्रेलिया गई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आज गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के अधिकारियों के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की। टीम ने विगत 20 मई को क्वीसलैंड के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल का भ्रमण किया था। स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव के साथ अध्ययन दौरे पर ऑस्ट्रेलिया गई टीम में स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर., स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक श्री भोसकर विलास संदिपान और राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन शामिल हैं।
टीम ने आज गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ बैठक कर वहां विकसित और लागू की गई ईएमआर (इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड) प्रणाली के बारे में जाना। हॉस्पिटल के अधिकारियों ने टीम के सामने इसका प्रस्तुतिकरण दिया। वहां के विशेषज्ञों ने अस्पताल की मजबूत आईटी सिस्टम का भी प्रेजेंटेशन दिया जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग होता है। इससे बीमारियों और केस लोड की संभावना की जानकारी के साथ ही इलाज के लिए योजना बनाने और मानव संसाधन के प्रबंधन में मदद मिलती है।
गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा राज्य से गए अध्ययन दल को वर्चुअल अस्पताल भी दिखाया गया, जहां मरीज अपने घर से ही वे सभी स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं जो वे अस्पताल में प्राप्त करते हैं। वर्चुअल अस्पताल द्वारा डॉक्टर से परामर्श, निदान एवं दवाएं मुहैया कराने के बाद जहां आवश्यक हो वहां स्टाफ नर्स या संबंधित स्वास्थ्य कर्मी द्वारा घर पहुंच सेवा भी प्रदान की जाती है। इससे रोगी का समय बचता है और अस्पताल में मरीजों का दबाव कम होने से दक्षता बढ़ती है। वर्चुअल अस्पताल सेवा का उपयोग गंभीर रोगियों के लिए किया जाता है।
स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के अत्याधुनिक कमांड और कंट्रोल सिस्टम का अवलोकन कर इसकी कार्यप्रणाली को समझा। इसके उपयोग से वहां अस्पताल प्रबंधन की दक्षता में सुधार आया है और रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह प्रणाली कम लागत पर समय रहते समस्याओं की जानकारी देता है तथा योजना बनाने एवं उनका समाधान करने में मदद करता है।
गोल्ड कोस्ट अस्पताल प्रबंधन द्वारा राज्य की टीम को बिना चीरे के न्यूरोसर्जरी के बारे में भी जानकारी दी गई और इसके फायदे बताए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वहां के विशेषज्ञों से विस्तृत चर्चा के बाद इसे छत्तीसगढ़ में लागू करने के लिए साझेदारी की संभावना के लिए पहल करने का निर्णय लिया है। गोल्ड कोस्ट विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉन कालवर्ट, कार्यकारी निदेशक संदीप कुमार तथा वरिष्ठ प्रबंधक प्रभु कन्नन की मौजूदगी में टीम ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का अध्ययन किया।

# सीजीपीएससी की भृत्य परीक्षा के द्वितीय चरण की परीक्षा 25 को होगी

रायपुर,23 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भृत्य के द्वितीय चरण की परीक्षा शुद्धलेखन (ईमला) का आयोजन 25 मई गुरूवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोग द्वारा निर्धारित परीक्षा केन्द्र जे.आर. दानी, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला कालीबाड़ी चौक, रायपुर में संचालित किया जायेगा। कलेक्टर डॉ भुरे ने परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु श्रीमती रूचि शर्मा डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी परीक्षा शाखा रायपुर को नोडल अधिकारी एवं श्री केदार पटेल सहायक संचालक कौशल विकास विभाग रायपुर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

# गरीब रथ एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में लगी आग

रायपुर,23 मई 2023(ए)। दुर्ग से लखनऊ के लिए निकली गरीबरथ के एक बोगी में आज दोपहर लगी अचानक आग से हड़कंप मच गया। इस ट्रेन के स्लीपर कोच-4 में यह आग लगी थी। रेलवे सूत्रों ने बताया कि दुर्ग से लखनऊ के लिए रवाना हुई गरीब रथ एक्सप्रेस आज दोपहर करीब 12.33 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। यह ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म पर पहुंची, कुछ लोगों ने एस-4 से धुंआ निकलता देख रेलवे अमले को इसकी सूचना दी। बताया जाता है कि तत्काल रेलवे का बल मौके पर पहुंचा और बोगी की जांच की। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से सभी यात्रियों को उतार दिया गया था और दूसरी बोगियों में शिफ्ट कर दिया गया था। यह आग कैसे लगी, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई थी। समाचार लिखे जाने तक इस ट्रेन के एस-4 को ट्रेन से अलग करने की कवायद जारी थी।

# एक ट्रैक्टर विस्फोटक के साथ 10 नक्सली अरेस्ट,बड़े हमले की थी तैयारी

बीजापुर,23 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में पुलिस द्वारा नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्यवाई की जा रही है। इसी बीच पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। बता दें, छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर तेलंगाना की भद्रादी कोत्तागुड़म में पुलिस ने 10 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है।
मिली जानकारी के अनुसार इनमें से 5 नक्सली बीजापुर जिले के रहने वाले हैं। माओवादियों के पास से पुलिस ने एक ट्रैक्टर कार्डेक्स वायर और करीब 500 डेटोनेटर बरामद किया है।
बताया जा रहा है कि, इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक सामान बड़े नक्सली लीडरों के पास लेकर जा रहे थे। ये छत्तीसगढ़ या फिर तेलंगाना में इस साल के सबसे बड़े नक्सली हमले की तैयारी में थे। हालांकि, पुलिस ने नक्सलियों के इस मंसूबों को नाकाम कर दिया।

तेलंगाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, नक्सली संगठन के सदस्य भारी मात्रा में विस्फोटक के साथ मुलाकानापल्ली और दुमुगुडेम मंडल के एक ठिकाने में मौजूद हैं। इसी के आधार पर भद्रादी कोत्तागुड़म पुलिस ने दुमुगुडेम और सीआरपीएफ की 141वीं बटालियन के जवानों की एक टीम बनाकर मौके के लिए रवाना किया गया। इलाके के गांवों और इससे लगे जंगल में सर्चिंग अभियान चलाकर 10 संदिग्धों को पकड़ा। जिनके पास से एक ट्रैक्टर, एक बोलेरो वाहन समेत दो बाइक भी बरामद की गई। वहीं, भद्रादी कोत्तागुड़म पुलिस ने बताया कि, इन सभी से पूछताछ में कई खुलासे भी हुए हैं। इनके पास से बरामद किए गए बारूद की कीमत लाखों में है। हालांकि, नक्सली ये विस्फोटक सामान कहां से लेकर आ रहे थे, पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)